# दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक



7

3 पांच साल में पर्यटन का हब बनी गोरक्षनगरी नया सवेरा जाएंगे तो जुहू चौपाटी भूल जाएंगे

5 अंजू ये मैसेज तेरे हैं बस

8 सात वर्षों बाद भारत पहुंची पाकिस्तानी क्रिकेट टीम



UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 10 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 02 अक्टूबर, 2023


## राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद केंद्र ने जारी की अधिसूचना

# महिला आरक्षण बना कानून

■ नारी शक्ति वंदन विधेयक को बृहस्पतिवार को उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के हस्ताक्षर के बाद राष्ट्रपति के पास उनके अनुमोदन के लिए भेजा गया था

■ नई दिल्ली संसद से पारित महिला आरक्षण विधेयक पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके वाद अव यह विधेयक कानून वन गया है। सरकार ने इस संवंध में गजट अधिसूचना भी जारी कर दी है। वता दें कि नारी शक्ति वंदन विधेयक को वृहस्पतिवार को उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के हस्ताक्षर के वाद राष्ट्रपति के पास उनके अनुमोदन के लिए भेजा गया था। महीने की शुरुआत में हुए संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण से सम्वंधित संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया था।

सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने के लिए संसद का पांच दिन का विशेष सत्र वुलाया था। सरकार ने अपने मकसद की भनक विपक्ष को नही लगने दी थी। 18 सितंवर की रात कैविनेट की वैठक में यह विषय आया तव विपक्ष को इसकी जानकारी लगी कि सरकार अगले दिन विधेयक ला रही है। इसके वाद 19 सितंवर को सरकार ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक पेश किया।

### संसद में कब पारित

20 सितम्बर को लोकसभा

21 सितम्बर को राज्यसभा

### अब विधानसभाओं से पारित कराना होगा

विधानसभाओं में आरक्षण के लिए इसे राज्यों की विधानसभाओं में भेजा जाएगा। इसे लागू होने के लिए देश की 50% विधानसभाओं में पारित कराना जरूरी है।

### महिला आरक्षण कानून की खास बातें

■ महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33% आरक्षण मिलेगा, जिससे लोकसभा की 181 सीटें पर महिलाएं ही चुनाव लड़ सकेंगी

■ अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं को महिला आरक्षण के भीतर ही एक तिहाई आरक्षण होगा

■ पिछड़े वर्ग की महिलाओं को अलग से आरक्षण का प्रावधान नहीं है

■ महिला आरक्षण नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा, यानी 2024 के चुनाव में महिला आरक्षण नहीं होगा

■ महिलाओं को यह आरक्षण 15 साल के लिए दिया गया है

■ जब-जब भी परिसीमन होगा लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों की अदला-बदली होगी

### तीन दशक से लटका था महिला आरक्षण

*संसद में महिलाओं के आरक्षण का मामला लगभग 3 दशक से लटका था। यह विषय पहली बार 1974 में महिलाओं की स्थिति का आंकलन करने वाली समिति ने उठाया था। वहीं 2010 में यूपीए सरकार ने राज्यसभा में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण के विधेयक को बहुमत से पारित करा लिया था। हालांकि वह इसे लोकसभा में पारित कराने के लिए नहीं लाई।*

# सीएम योगी के आदेश के बाद एक्शन

## बदायूं में पहली बार महिला इंस्पेक्टर को मिला थाने का चार्ज

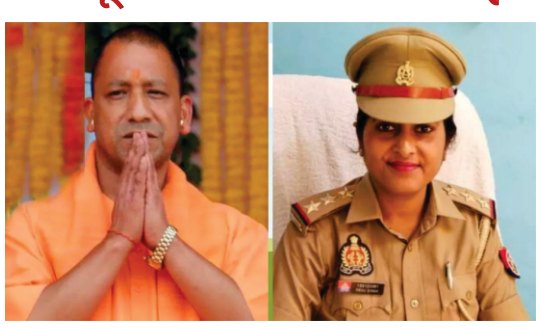

बदायूं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने चार दिन पहले पूरे प्रदेश के एसएसपी के साथ कानून व्यवस्था संबंधित बैठक की थी। बैठक के दौरान सीएम ने निर्देश दिए थे कि अपने अपने जिले की तेज तर्रार महिला पुलिस कर्मियों को बड़ी और अहम जिम्मेदारी भी दें। इसमें थाने और चौकी का प्रभारी बनाया जाना था। इसी के चलते शुक्रवार को एसएसपी डा. ओपी सिंह ने अब तक मुजरिया प्रभारी निरीक्षक की कमान संभाल रहे दिनेश कुमार शर्मा का स्थानांतरण बरेली होने के बाद महिला एवं बाल सुरक्षा प्रभारी रेनू देवी को मुजरिया थाना प्रभारी निरीक्षक बनाया है।

### पहली महिला निरीक्षक बनीं रेनू

सीएम के आदेश के बाद एसएसपी ने जिले की महिला निरीक्षकों और उप निरीक्षकों की सूची निकलवाई। जिसमें निरीक्षक रेनू देवी ही ऐसी थीं जो पहले महिला थानाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुकी थीं। बता दें कि यह जिले में पहली बार है कि जब किसी महिला निरीक्षक को महिला थाने के अलावा किसी अन्य थाने की जिम्मेदारी दी गई हो। शुक्रवार शाम को ही रेनू देवी ने मुजरिया पहुंच कर थाने की जिम्मेदारी संभाल ली है।

### रेनू देवी ने कही ये बात

रेनू देवी ने बताया कि महिला थाने की जिम्मेदारी संभाली है। यह एकदम अलग अनुभव है। उन्होंने आमजन को भरोसा दिया कि वह पूरी जिम्मेदारी से पद का निर्वहन करेंगी और कानून व्यवस्था बनाकर रखेंगी। उपनिरीक्षकों के किए तबादले एसएसपी डा. ओपी सिंह ने देर रात एक निरीक्षक और दस उपनिरीक्षकों के तबादले कर दिए। इसमें निरीक्षक अरविंद कुमार को पुलिस लाइन से अपना पीआरओ बनाया है।

### घुड़सवारी में एक बार फिर टाप पर भारतीय तिकड़ी

#### गोल्फ में जारी अदिति अशोक का लगातार शानदार प्रदर्शन

एशियन गेम्स 2023 में आज सातवां दिन भारत के लिए काफी अहम होगा
टेबल टेनिस में आज भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी मेडल आज फाइनल खेलने उतरेगी
भारत की कुल मेडल संख्या 34 हो गई है।

दिल्लीं चीन के हांगझोऊ में चल रहे एशियन गेम्स २०२३ के सातवें दिन कई प्रतियोगिताएं होंगी। सातवें दिन पुरुषों की डबल्स टेनिस प्रतियोगिता फाइनल पर खासतौर से सबकी निगाहें रहेंगी। इसके अलावा भारतीय पुरुष ह की टीम आज पूल ए मैच में अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। भारत ने अब ८ गोल्ड समेत कुल ३३ मेडल अपने नाम किए हैं। एशियन गेम्स २०२३ के सातवें दिन की शुरुआत में भारतीय एथलीट्स से हुई। गोल्फर अदिति अशोक, अवनी प्रशांत और प्रणवी शरथ महिलाओं की व्यक्तिगत राउंड ३ से दिन की शुरुआत हुई। टेबल टेनिस में भारतीय डबल्स जोड़ी रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले फाइनल में प्रतिस्पर्धा करने के लिए उतरेगी। भारत के लिए आज का दिन काफी अहम होगा। आज भारतीय पुरुष हाकी टीम का पूल ए में मुकाबला पाकिस्तान से होगा। इसके अलावा वेटलिफ्टर मीराबाई चानू समेत बाक्सर लवलीना बोरगोहेन भी आज रिंग में उतरेंगे।

## सम्पादकीय

# सांसदी से विधायकी की भाजपायी उलटबांसी

### भारतीय जनता पार्टी प्रयोगों के नये दौर से गुजर रही है

भारतीय जनता पार्टी प्रयोगों के नये दौर से गुजर रही है। दुनिया में नेतृत्व व जनप्रतिनिधित्व का विकास नीचे से ऊपर तरफ होता है। कतिपय अपवादों को छोड़कर अपने कार्यकर्ताओं को ग्राम पंचायत या पार्षद स्तर से विधायकी और फिर वहां से सासंदी का रास्ता दिखलाया जाता है लेकिन भाजपा में उल्टी धारा बह रही है। इसी नवम्बर में जिन राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं उनमें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ भी हैं। दोनों राज्यों के अब तक जितने उम्मीदवारों की घोषणा हो चुकी है उनमें अनेक ऐसे हैं जो साफ तौर पर भाजपायी प्रयोग के गिनीपिग बनाये जा रहे हैं। ये सांसद हैं लेकिन उन्हें विभिन्न विधानसभाई सीटों पर लड़ाया जा रहा है। कुछ तो मंत्री भी हैं। संसद सदस्यों को राज्यों में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिये उतारना साबित करता है कि भाजपा के पास मुद्दों के साथ-साथ चेहरों की भी कमी है। हालांकि कई राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इसके पीछे पार्टी के सर्वेसर्वा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके प्रमुख सहयोगी व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सुनियोजित चाल हो सकती है। देखना होगा कि यह कदम आत्मघाती साबित होता है या सफलता दिलाएगा।

छत्तीसगढ़ की पहले बात कर लें! यहां भाजपा बेहद कमजोर स्थिति में है जहां ९० सीटों वाले सदन में उसके केवल १४ सदस्य हैं। यहां जिन प्रत्याशियों के नामों का ऐलान हो गया है, उनमें दुर्ग से लोकसभा में पहुंचे विजय बघेल को उनके चाचा व प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ पाटन क्षेत्र से उतारा गया है। यह सीट दुर्ग की ८ विधानसभा सीटों में से एक है। राज्यसभा के सदस्य रामविचार नेताम सरगुजा क्षेत्र की रामानुजगंज सीट से चुनाव लड़ेंगे। रायपुर (शहर) सीट पर वर्तमान विधायक श्रीचंद सुंदरानी के साथ ही राजधानी के पूर्व महापौर सुनील सोनी का नाम सबसे आगे चल रहा है जो इस वक्त रायपुर के सांसद हैं। बिलासपुर सीट का लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने वाले अरूण साव भाजपा के अध्यक्ष हैं जिनके बारे में कहा जा रहा है कि उन्हें बिलासपुर विधानसभा सीट से लड़ाया जा सकता है ताकि जीत की स्थिति में (जो वर्तमान परि श्य में दूर की कौड़ी है) उनका ओबीसी चेहरा काम आ सके और भूपेश बघेल का यह चुनाव प्रचार के दौरान जवाबी नाम भी हो। छत्तीसगढ़ की पिछले मुख्यमंत्रियों के समय से यह परम्परा बनी है कि जो पार्टी अध्यक्ष बहुमत दिला सके वही सीएम बन सकता है। २००३ में डा . रमन सिंह को सीएम पद इसलिये मिला था क्योंकि उन्हीं के नेतृत्व में भाजपा जीती थी। ऐसे ही, भूपेश बघेल की अध्यक्षता में कांग्रेस जीती जिसके बाद उनकी इस पद की दावेदारी पर पार्टी हाईकमान की मुहर लगी थी। देखना होगा कि अरूण साव को टिकट थमाई जाती है या नहीं और अगर ऐसा होता है तो क्या साव इस मौके को अपने लिये भुना पायेंगे? छत्तीसगढ़ की केन्द्रीय मंत्रिमंडल में एकमात्र प्रतिनिधि सरगुजा लोकसभा क्षेत्र की सांसद रेणुका सिंह हैं। क्या उन्हें भी छग में किसी सीट पर विधानसभा चुनाव लड़ने के लिये कहा जायेगा? अब तक इसका खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि अभी काफी सीटों पर नाम घोषित होने बकाया हैं।

खैर, मध्यप्रदेश का मसला और भी दिलचस्प है। पेचीदा भी। छग में तो भाजपा के पास खोने के लिये कुछ नहीं है परन्तु मप्र में तो पूरी सरकार ही उसकी झोली से सरक सकती है। वैसे भी पिछली बार कांग्रेस की ही सरकार बनी थी। कमलनाथ के नेतृत्व में वह डेढ़ साल चली भी परन्तु ज्योतिरादित्य सिंधिया की अगुवाई में दर्जन भर से ज्यादा विधायकों को तोड़कर अपने पक्ष में लेते हुए शिवराज सिंह के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी थी। इस लिहाज से यह पराजित पार्टी की सरकार है। इस बीच सरकार के खिलाफ जन आक्रोश तगड़ा है। वहां तीन तरह की भाजपा बतलाई जाती है- शिवराज की, महाराज की (सिंधिया) और नाराज की (असंतुष्टों की)। यहां पीएम व शाह के लगातार दौरे हो रहे हैं लेकिन हालत सुधरने के नाम नहीं ले रहे हैं। उल्टे, कांग्रेस सतत मजबूत हो रही है। ज्योतिरादित्य के निकटस्थ कई लोग कांग्रेस में लौट चुके हैं। पिछले हफ्ते मोदी जब आये तो उन्होंने मंच पर शिवराज से जो व्यवहार किया तथा सम्बोधन के दौरान उनका नाम तक नहीं लिया, उससे कुछ साफ संकेत मिल रहे हैं। कहा जा रहा है कि चौहान साहब अब मोदी के विश्वासपात्र नहीं रहे। उन्हें निपटाने के लिये ही मोदी-शाह ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों- प्रह्लाद पटेल, नरेन्द्र सिंह तोमर, फग्गन सिंह कुलस्ते समेत ७ सांसदों को विधानसभा सीटों की टिकटें थमाकर राज्य में भेज दिया है। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय सहित, जो कभी खुद ही प्रत्याशी तय करते थे, अब इंदौर-१ से चुनाव लडें गे। कहा जाता है कि मप्र भाजपा के सामने मुद्दों के साथ चेहरों के भारी अभाव के ही चलते भाजपा ने इतने सांसदों को उतारा है। अब भाजपा को बहुमत मिलता है तो मुख्यमंत्री पद के लिये और हारती है तो विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के लिये बड़ों के बीच घमासान तय है।मजेदार बात यह है कि अब तक खुद शिवराज सिंह चौहान की उम्मीदवारी का अता-पता नहीं है। अगर वे चुनावी मैदान में नहीं उतारे जाते तो किसके चेहरे पर पार्टी चुनाव लड़ेगी, यह सवाल भी बड़ा है। स्थानीय चेहरे के अभाव में यह चुनाव अपने आप मोदी की छवि और उन्हीं के चेहरे पर लड़ा जायेगा। पराजय सामने दिख रही है, तो ऐसे में क्या मोदी अपना नाम राज्य इकाई को उधार देंगे? रणनीति की यह उलटबांसी भाजपा के लिये वरदान बनती है या कयामत- देखना दिलचस्प होगा।

# सरकार की अंतरात्मा कहां है

अदालत ने राज्य की अंतरात्मा और संवेदनशीलता का जिक्र तो किया है, लेकिन सवाल यही है कि क्या इस वक्त भाजपा सरकार में अंतरात्मा की आवाज सुनी जाती है या किन्हीं और ही आवाजों के निर्देश पर काम हो रहा है। अंतरात्मा जैसी कोई चीज सरकार में है नहीं या फिर राहुल गांधी की बात ही सही है कि ये सरकार रिमोट कंट्रोल से चल रही है। कुछ दिनों पहले की घटना है। उत्तरप्रदेश में एक स्कूल में शिक्षिका ने एक मुस्लिम बच्चे को कथित तौर पर उसके ही सहपाठियों से थप्पड़ लगवाए थे। बच्चे एक-एक करके आ रहे थे और उस रोते हुए बच्चे को थप्पड़ मार कर जा रहे थे। इस घटना का वीडियो भी बनाया गया था, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। एक धक्का और तर्ज की पर उस शिक्षिका को वीडियो में ये कहते हुए सुना गया कि थोड़ा और जोर से मारो। इस मामले ने बड़ा विवाद खड़ा किया। शिक्षिका ने अपनी सफाई दी, वहीं ये भी पता चला कि बच्चे के पिता ने अपने बच्चे को उस स्कूल से निकाल लेने का फैसला किया, कुछ किसान नेताओं ने पिटने वाले और पीटने वाले बच्चों को आपस में गले मिलवाकर मामले को खत्म करवाने की कोशिश भी की। इस बीच वो मासूम किस मानसिक पीड़ा से गुजर रहा होगा, इसकी परवाह व्यापक समाज करे, इतनी फुर्सत शायद नहीं है।

क्योंकि समाज तो सरकार के रचे नित नए मायाजाल में ही फंसता जा रहा है। नए संसद भवन में प्रवेश, सत्ता का राजदंड सोने का भारी-भरकम सेंगोल, आसमान छूती मूर्तियों का अनावरण, आडंबर से भरे पूजा-पाठ, ट्रेनों, बसों को हरी झंडी दिखाना, चुनाव को ध्यान में रखते हुए नए-नए विधेयक पारित करवाना, जी-२० की तड़क-भड़क, ऐसे कई किस्म के जगर-मगर करते इवेंट भाजपा सरकार में किए जा रहे हैं और इनकी चकाचौंध के बीच समाज में कालिमा बढ़ाने वाली घटनाएं हो रही हैं। उप्र में स्कूल में बच्चे को उसके ही सहपाठियों से पिटवाना ऐसी ही एक घटना थी। इस मामले को रफा-दफा करने की तमाम कोशिशों के बीच इसे सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाया गया, जहां न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने सुनवाई के दौरान जांच के तरीकों और दर्ज एफआईआर में पिता के लगाए आरोप हटाने को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस को फटकार लगाई है। पीठ ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में संवेदनशील शिक्षा भी शामिल है। जिस तरह की यह घटना हुई है उससे राज्य की अंतरात्मा को झकझोर देना चाहिए।

अदालत ने राज्य की अंतरात्मा और संवेदनशीलता का जिक्र तो किया है, लेकिन सवाल यही है कि क्या इस वक्त भाजपा सरकार में अंतरात्मा की आवाज सुनी जाती है या किन्हीं और ही आवाजों के निर्देश पर काम हो रहा है। अंतरात्मा जैसी कोई चीज सरकार में है नहीं या फिर राहुल गांधी की बात ही सही है कि ये सरकार रिमोट कंट्रोल से चल रही है। राजा की जान तोते में बसी होने की कहानी समाज ने सुनी है, वैसे ही सरकार के प्राण आखिर किस रिमोट कंट्रोल में है और वो रिमोट कंट्रोल किसके पिंजरे में है, ये भी तो जनता को पता होना चाहिए। सरकार के पास अंतरात्मा होती तो अब तक न जाने कितनी बार हिल चुकी होती। अभी तो जैसा हाल देश का है, उसमें यही समझ आ रहा है कि अंतरात्मा को या तो पूरी तरह कुचल दिया गया है, या उसे किसी तहखाने में दबा दिया गया है। भाजपा सरकार अगर अंतरात्मा की आवाज सुनने लगे तो उन आवाजों का शोर इतना अधिक होगा कि सरकार का चौन उड़ जाएगा। अंतरात्मा की आवाज सुनने का मतलब सच और इंसाफ की राह पर निकल पड़ना है, जाहिर है सरकार इस वक्त इसके लिए तैयार नहीं है।

जिस उत्तरप्रदेश के मामले में अदालत ने यह सख्त टिप्पणी की, उसी राज्य में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने लव जिहाद, धर्मांतरण और इसके साथ लैंड जिहाद का मुद्दा छेड़ दिया है। लव जिहाद और धर्मांतरण की बात तो देश बहुत समय से सुनता आया है, अब इसमें लैंड जिहाद भी जोड़ा गया है, इसमें मुस्लिमों पर आरोप लगाया जाता है कि मजार, मस्जिदें बनाने के नाम पर मुस्लिम जमीनों पर कब्जे करते जा रहे हैं। देश में किसी भी पीपल, नीम, इमली, बरगद या आंवले के पेड़ के नीचे या बीच चौराहे पर किसी पत्थर पर केसरिया रंग पोतकर उसे सिद्धि वाले मंदिर कितने बनाए गए हैं, इसकी कोई गिनती नहीं है। नवरात्रि और गणेश चतुर्थी जैसे मौकों पर सड़कें घेर कर धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, लोगों की आवाजाही, कामकाज, पढ़ाई, कारोबार सब बाधित होते हैं, तब कोई तकलीफ नहीं होती, तब किसी को लैंड या सैंड या ट्री जिहाद दिखाई नहीं दिया। मगर अब मुस्लिमों को निशाने पर लेने के लिए ये नए किस्म का जिहाद गढ़ दिया गया है। संघ प्रमुख ने अपने लोगों से कहा कि इसको रोकने के लिए तेजी से और आक्रामक ढंग से अभियान चलाने की जरूरत है। भाजपा ने अपने शासन की मजबूती दिखाने के लिए कानून व्यवस्था से अधिक बुलडोजर के इस्तेमाल पर भरोसा किया, इससे पहले डबल इंजन सरकार का मुहावरा चलाया गया और अब संघ प्रमुख आक्रामक अभियानों की बात कह रहे हैं। क्या भाजपा इस बात का जवाब दे पाएगी कि यहां किस किस्म की आक्रामकता की वकालत की जा रही है। अखलाक और नासिर-जुनैद जैसे लोगों को मारने जैसी आक्रामकता, मुस्लिम बच्चे को पिटवाने और नूंह में दंगे करवाने जैसी आक्रामकता, ट्रेन में कपड़ों से पहचान कर मारने जैसी या फिर संसद में गालियां देकर शाब्दिक हिंसा

करने जैसी आक्रामकता। संघ की निगाह में ये सारे प्रकरण पिछले साढ़े ९ सालों के मोदीराज की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों में शुमार हो सकते हैं। इन्हीं से हिंदुओं को ये समझ आया है कि अब उनका हिंदुत्व सुरक्षित है। क्योंकि जिस हिंदुत्व की पैरवी संघ करता आया है, और जो भाजपा की सत्ता का मूल मंत्र है, उसमें ऐसी ही आक्रामकता अ क्सीजन का काम करती रही है। जब तक ऐसी आक्रामकता नहीं थी और देश में सब कुछ संविधान के हिसाब से चल रहा था। मंदिर-मस्जिद के झगड़ों के बीच भी समाज में जिहाद जैसे शब्दों के लिए ज्यादा जगह नहीं बनी थी। लोग ईद, दीवाली जैसे त्योहार बिना आक्रामक हुए मनाते थे। त्योहारों में खुशियां आती थीं, तनाव नहीं होते थे। धार्मिक काम सद्भाव की छांव में हो जाते थे, पुलिस के पहरों में नहीं। और खास बात ये है कि तब समाज में हिंदुओं के एक बड़े तबके के सामने यह सवाल खड़ा ही नहीं हुआ था कि उसका धर्म सुरक्षित है या नहीं। लेकिन भाजपा ने धर्म की असुरक्षा का एक भाव बड़ी चालाकी से लोगों के मन में भर दिया। इससे धर्म सुरक्षित हुआ या अधर्म बढ़ा, इसका विश्लेषण लोग अपने विवेक से कर लें, लेकिन इतना तय है कि धर्म को असुरक्षित बताकर भाजपा ने अपनी सत्ता की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर ली। और भाजपा की सत्ता को संरक्षित करने का काम कुछेक उद्योगपतियों ने कर लिया। राहुल गांधी इन्हीं के हाथों में सत्ता का रिमोट कंट्रोल होने की बात कहते हैं।

# फिर सुर्खियों में राजा भैया

यूपी के पुलिस उप अधीक्षक (डीएसपी) जियाउल हक की हत्या में विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की भूमिका की जांच सीबीआई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को दरकिनार कर दिया, जिसमें राजा भैया सहित पांच के खिलाफ सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट खारिज करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। पिछले दिनों पारिवारिक विवाद के चलते चर्चा में रहे कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वर्ष २०१३ में हथिगवां के बलीपुर में तत्कालीन सीओ जिया उल हक की गोली मारकर हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी भूमिका की फिर से जांच के आदेश दिए हैं। बलीपुर में २ मार्च २०१३ को तीन लोगों की हत्या हुई थी। सीओ जिया उल हक बलीपुर प्रधान नन्हे यादव और उसके भाई सुरेश यादव की हत्या के बाद हुए बवाल पर घटनास्थल पर पहुंचे। कुंडा कोतवाल सर्वेश मिश्रा, एसएसआई विनय उन्हें अकेला छोड़कर भाग निकले, जिसके बाद सीओ की बेरहमी से पिटाई के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना ने देश की सियासत में भूचाल ला दिया था। इस मामले में जियाउल हक की पत्नी परवीन आजाद ने तत्कालीन खाद्य एवं रसद मंत्री रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया समेत अन्य के खिलाफ हत्या की साजिश रचने और हत्या का केस दर्ज कराया था। इसके बाद राजा भैया को अखिलेश सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि, क्लीन चिट मिलने के बाद अक्तूबर २०१३ को फिर अखिलेश मंत्रिमंडल में शामिल हो गए थे। तिहरे हत्याकांड की जांच पहले पुलिस और बाद में सीबीआई द्वारा की गई थी। जांच के बाद रघुराज प्रताप को क्लीन चिट मिल गई थी। इसके खिलाफ परवीन आजाद ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। तिहरे हत्याकांड में चार एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। एक एफआईआर प्रधान नन्हे यादव की हत्या की थी। दूसरी एफआईआर पुलिस पर हमले की थी। तीसरी एफआईआर नन्हे यादव के भाई सुरेश यादव के हत्या की और चौथी एफआईआर सीओ जिया उल हक के हत्या की थी।

तत्कालीन थानाध्यक्ष मनोज शुक्ला की तरफ से प्रधान नन्हें यादव के भाइयों और बेटों समेत १० लोगों को नामजद किया गया। इसमें राजा भैया के प्रतिनिधि हरिओम शंकर श्रीवास्तव, चेयरमैन गुलशन यादव, राजा भैया के चालक रोहित सिंह और गुड्डू सिंह भी शामिल थे। सीबीआई ने राजा भैया, गुलशन यादव, हरिओम, रोहित, संजय को क्लीन चिट दे दी। राजा भैया को प लीग्राफ टेस्ट से भी गुजरना पड़ा था। सीओ जिया उल हक की हत्या के मामले में सीबीआई ने रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल जी से तीन दिन तक गहन पूछताछ की थी। नई दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय की टीम ने सीओ की हत्या में राजा भैया की भूमिका के हर पहलू को खंगाला, लेकिन कोई अहम सुराग हाथ नहीं लग सका। सीबीआई से परेशान होकर राजा भैया ने खुद सीबीआई कोर्ट से अपना लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने का अनुरोध किया था।

**वर्ष 2013 में हथिगवां के बलीपुर में तत्कालीन सीओ जिया उल हक की गोली मारकर हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी भूमिका की फिर से जांच के आदेश दिए हैं। बलीपुर में 2 मार्च 2013 को तीन लोगों की हत्या हुई थी। सीओ जिया उल हक बलीपुर प्रधान नन्हे यादव और उसके भाई सुरेश यादव की हत्या के बाद हुए बवाल पर घटनास्थल पर पहुंचे। कुंडा कोतवाल सर्वेश मिश्रा, एसएसआई विनय उन्हें अकेला छोड़कर भाग निकले, जिसके बाद सीओ की बेरहमी से पिटाई के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना ने देश की सियासत में भूचाल ला दिया था। इस मामले में जियाउल हक की पत्नी परवीन आजाद ने तत्कालीन खाद्य एवं रसद मंत्री रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया समेत अन्य के खिलाफ हत्या की साजिश रचने और हत्या का केस दर्ज कराया था।**

गोरखपुर। बुद्धनगर सुभाष चंद ने कहा कि हम यहां पर १० साल से दुकान लगा रहे हैं। सड़क के चौड़ीकरण से जाम की समस्या खत्म हो जाएगी। सिक्सलेन रोड और फ्लाईओवर बन रहा है। देवरिया बाईपास रोड के फोरलेन होने से इस क्षेत्र का और विकास होगा। देवरिया बाईपास रोड पर भी जाम की समस्या खत्म हो जाएगी ।बारिश बंद होते ही कार्यदायी संस्था ने काम में तेजी ला दी है। करीब ६.५ किमी लंबी इस सड़क को फोरलेन बनाने के लिए मिट्टी भरने और गिट्टी डालकर समतल करने के साथ ही पेड़ों की कटाई की जा रही है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों का कहना है कि एक साल के भीतर काम पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है। यानी अधिकतम एक साल इस इलाके के लोगों को दिक्कतें होंगी। इसके बाद वाहन सड़क पर फर्राटा भरेंगे। पैडलेगंज-नौसड़ सिक्सलेन से जुड़कर तिराहा से सड़क चिड़ियाघर होते हुए जंगल सिकरी में गोरखपुर-देवरिया मार्ग पर मिलती है। इसीलिए इस सड़क को देवरिया बाईपास मोड़ नाम दिया गया है। विकास के पथ पर तेजी से बढ़ते गोरखपुर के क्रम में इस इलाके में बहुत सारी क लोनियां बन गईं। वहीं चिड़ियाघर, जीडीए कार्यालय के अलावा कई बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुल गए हैं। रामगढ़ताल क्षेत्र में पर्यटन का विकास होने से भी लोगों का आवागमन ज्यादा है। इसके चलते इस सड़क पर लगातार यातायात का दबाव बढ़ता जा रहा है। जबकि सड़क अभी ३० फीट ही चौड़ी है। लेकिन फोरलेन बनने के बाद एक बड़ी आबादी को सहूलियत होगी।

## पेड़ों की कटाई शुरू हुई, करा रहे मिट्टी का समतलीकरण

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य पर कुल ३६६ करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके बनने से तारामंडल, सहारा एस्टेट होते देवरिया बाईपास तक यातायात सुगम हो जाएगा। इससे लखनऊ और वाराणसी जाने वालों को भी आसानी होगी। बारिश होने की वजह से इसका काम शुरू कराने में दिक्कत आ रही थी। पानी बरसने से राहत मिलने पर काम शुरू कराया गया है। मंगलवार की सुबह ११.११ बजे देवरिया बाईपास पर यातायात का दबाव कम था। अमर उजाला तिराहा पर दुकान लगाने वाले सुभाष चंद्र ने बताया कि एक हफ्ते से काम शुरू हुआ है। सड़क के चौड़ीकरण के लिए पेड़ों की कटाई छंटाई हो रही है।

जिस तरह से काम चल रहा है, उससे लग रहा है कि जल्द ही बनी हुई सड़क नजर आने लगेगी। इस रोड पर बुद्ध विहार पार्ट सी के सामने ११.३० बजे साइट इंजीनियर राघवेंद्र प्रताप सिंह अपने सहयोगी आशीष सिंह और सुपरवाइजर रोहित के साथ सड़क का लेवल मिलाते मिले। साइट इंजीनियर ने बताया कि खाली जगहों पर मिट्टी और गिट्टी बिछाई जा रही है। काम को तय समय से पूरा कराया जाएगा।

## बिजली के खंभे हटने से काम में आएगी तेजी

फोरलेन सड़क का काम भले शुरू हुआ है। लेकिन बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर बरकरार हैं। उनके अगल बगल मिट्टी का समतलीकरण और पेड़ों की कटाई जा रही है। चिड़ियाघर के सामने सुबह ११.४१ बजे पेड़ों को काटकर उनकी डालियों और लकड़ियों को ट्रैक्टर ट्राली पर लादा जा रहा था। यहीं बगल में जेसीबी से मिट्टी खोदाई भी चल रही थी। काम कर रहे मजदूरों ने कहा कि हम लोगों को जल्दी से जल्दी काम खत्म करने को कहा गया है। इस रोड पर करीब १५०० बिजली के खंभों और ८०० छोटे-बड़े पेड़ों को काटकर हटाया जाएगा। बिजली के खंभे हटने के बाद काम में तेजी आ जाएगी।

सड़क निर्माण से जुड़े लोगों का कहना है कि सिक्टौर गांव से आगे जाने पर नेशनल हाइवे के आसपास सड़क बनाने में थोड़ा वक्त लगेगा। क्योंकि, यहां पर गांव की ओर जमीन लेकर चौड़ीकरण करना होगा। इससे आगे रोड पर मिट्टी गिराकर सड़क पर गिट्टी काम चल रहा था। जबकि जंगल सिकरी बाईपास तिराहे के पास से खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना क्षेत्र में खाली जगह पर गिट्टी गिराकर सड़क को चौड़ाकर दिया गया है।

## लोग बोले

बुद्धनगर सुभाष चंद ने कहा कि हम यहां पर १० साल से दुकान लगा रहे हैं। सड़क के चौड़ीकरण से जाम की समस्या खत्म हो जाएगी। सिक्सलेन रोड और फ्लाईओवर बन रहा है। देवरिया बाईपास रोड के फोरलेन होने से इस क्षेत्र का और विकास होगा। इस सड़क पर पहले से ही यातायात का दबाव है। चिड़ियाघर और रामगढ़ताल का विकास होने से इस रोड पर सुबह और शाम को अक्सर जाम लग जाता है। सड़क के चौड़ीकरण से लोग आसानी से सिक्सलेन पर पहुंच सकेंगे।

अभिषेक पांडेय, तारामंडल

सिद्धार्थनगर कालोनी अजय मल्ल ने कहा कि बरसात के कारण कोई काम नहीं हो रहा था। तीन चार दिनों से तेजी से पेड़ काटे जा रहे हैं। इससे लग रहा है कि जल्द से जल्द सड़क बन जाएगी। काम तो कराया जा रहा है। लेकिन, इसमें गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। वसुंधरा इन्क्लेव रामप्रीत यादव ने कहा कि इस रोड पर कई सरकारी अ फिस आ गए हैं। चिड़ियाघर से नौकायन तक भी सड़क चौड़ी हो रही है। इस रोड के बन जाने से देवरिया की ओर से आने वाले लोग आसानी से नौसड़ तक पहुंच सकेंगे। अधिशासी अभियंता -पीडब्ल्यूडी अरविंद कुमार ने कहा कि देवरिया बाईपास रोड का काम शुरू कराया गया है। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होने दी जाएगी। एक साल के भीतर काम पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है। जगह जगह मिट्टी समतलीकरण के साथ अन्य काम कराए जा रहे हैं।

## फोरलेन फ्लाईओवर से आसान होगी राह

टीपीनगर चौराहे से गोपलापुर तक बन रहे सिक्सलेन फ्लाईओवर से देवरिया बाईपास को जोड़ने के लिए एक फोरलेन बाईपास फ्लाईओवर भी बनेगा। करीब २० मीटर चौड़ी और ४३४ मीटर लंबाई में फ्लाईओवर बनाने के लिए ४२६ करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके बन जाने से लोगों के शहर के रास्ते जाने की जरूरत नहीं होगी, वे सीधे फ्लाईओवर पर चढ़कर वाराणसी और लखनऊ की तरफ चले जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, नौसड़ से लेकर पैडलेगंज तक सिक्सलेन रोड और टीपीनगर से गोपलापुर के नजदीक फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। इसी सिक्सलेन फ्लाईओवर से तिराहा के पास देवरिया बाईपास फ्लाईओवर उतरेगा। इसकी कुल लंबाई ४३४ मीटर होगी। इस परियोजना पर ४२६४६.३६ लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। फ्लाईओवर के कारण इतनी दूरी तक फोरलेन का काम प्रभावित होगा। सेतु निगम से जुड़े लोगों का कहना है कि देवरिया बाईपास रोड पर यह फ्लाईओवर हनुमान मंदिर से आगे शुरू होगा। इसके बन जाने से जब कोई वाहन देवरिया, कुशीनगर से आएगा तो पांच मिनट के भीतर सिक्सलेन पर चढ़कर आगे बढ़ जाएगा। सेतु निगम परियोजना प्रबंधक एके सिंह ने कहा कि सिक्सलेन फ्लाईओवर का निर्माण कार्य चल रहा है। फोरलेन अतिरिक्त फ्लाईओवर का काम भी जल्द ही शुरू कराया जाएगा।

# रेबीज से बचाव

गोरखपुर। कुत्तों के काटने से होने वाली बीमारी रेबीज इंसानों ही नहीं जानवरों में भी होती है। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार में अब तक २० संक्रमित जानवरों की जांच भी हो चुकी है। इस बीमारी के चलते मस्तिष्क में सूजन होता है। इसे जुनोटिक डिजीज (जानवरों से इंसानों में होने वाली बीमारी) में शामिल किया गया है। इसलिए कुत्ते, बंदर समेत किसी भी जानवर के काटने पर ड क्टर को बताएं और जरूरत के अनुसार एंटी रेबीज का इंजेक्शन जरूर लगवाएं।

बृहस्पतिवार को विश्व रेबीज दिवस है। दुनिया भर में हर २० मिनट में एक व्यक्ति की मौत इस बीमारी से होती है। मरने वालों में १० में से ४ बच्चे होते हैं। इसे देखते हुए सरकार ने इस बीमारी पर नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जागरुकता कार्यक्रम शुरू किया है। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार में इस बीमारी की जांच करने वाले वैज्ञानिक ड . रियेश बताते हैं कि अभी जल्द ही जांच शुरू की गई है। यहां अब तक २० जांच हो चुकी है। बीमारी से बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

### लार ग्रंथियों में जमा होते हैं वायरस

इस बीमारी पर शोध कर रहे विशेषज्ञों का कहना है कि इस वायरस के प्रभाव के चलते मरीज को हाइड्रोफोबिया (पानी का डर) हो जाता है। पानी पीने या निगलने में गले या स्वरतंत्र की मांसपेशियों में दर्दनाक ऐंठन होती है। वायरस कई गुना बढ़ कर लार ग्रंथियों में जमा हो जाते हैं। लार का संचय कभी-कभी मुंह में झाग पैदा कर सकता है।

### तीन से चार दिन में दिखता है असर

कुत्तों और अन्य जानवरों में रेबीज के तीन चरण होते हैं। पहला चरण एक से तीन दिन में दिखता है। संक्रमित जानवर के व्यवहार में परिवर्तन आता है। दूसरा चरण उत्तेजनात्मक है, जो आमतौर पर तीन से चार दिनों तक रहता है। प्रभावित जानवर पास की किसी भी चीज को काटने का प्रयास करता है। इसके बाद संक्रमित जानवर के पिछले अंगों में पक्षाघात हो जाता है। वायरस गले और गालों में सबसे अधिक केंद्रित होता है, जिस वजह से प्रभावित जानवर के लार से उसका फैलाव अधिक होता है। अंत में श्वास रुकने के कारण मौत हो जाती है।

# पांच साल में पर्यटन का हब बनी गोरक्षनगरी

## नया सवेरा जाएंगे तो जुहू चौपाटी भूल जाएंगे

संवाद न्यूज एजेंसी, गोरखपुर। पिछले पांच वर्षों में गोरक्षनगरी पर्यटन का हब बन चुकी है। इसकी चमक देशभर में फैलती जा रही है।

पहले जहां पर्यटन के नाम पर गोरखनाथ मंदिर, गीता प्रेस, तरकुलहा आदि स्थल ही थे, वहीं अब नया सवेरा समेत ५० से अधिक पर्यटन स्थल पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में पर्यटन विकास को पंख लग गए हैं।

पर्यटन विभाग ने ५० से अधिक योजनाओं को मूर्त रूप देकर पर्यटकों को आकर्षित करने का काम किया है। आगे की योजनाओं में गौरव संग्रहालय, चिलुआताल लेकव्यू, कुसम्ही जंगल इको पार्क, रामगढ़ताल क्षेत्र में हैंगिंग रेस्टोरेंट, रामगढ़ताल में रोपवे संचालन, रामगढ़ताल में देश के सबसे ऊंचे फाउंटेन, शहर के इंट्री प्वाइंट नौसड़-कालेसर बंधे का और राजघाट पुल पर फसाड लाइट व सुंदरीकरण समेत दर्जनों योजनाओं पर काम चल रहा है। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना ने पर्यटन को गांवों तक पहुंचा दिया है।

प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में ५० लाख रुपये की लागत से एक धार्मिक स्थल को पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

# फिर सुर्खियों में राजा भैया

## पारिवारिक विवाद के बाद पीछा नहीं छोड़ रहा ये हत्याकांड, बढ़ सकती हैं मुश्किलें

प्रतापगढ़। यूपी के पुलिस उप अधीक्षक (डीएसपी) जियाउल हक की हत्या में विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की भूमिका की जांच सीबीआई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को दरकिनार कर दिया, जिसमें राजा भैया सहित पांच के खिलाफ सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट खारिज करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। पिछले दिनों पारिवारिक विवाद के चलते चर्चा में रहे कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया एक बार फिर सुर्खियों में हैं।

वर्ष २०१३ में हथिगवां के बलीपुर में तत्कालीन सीओ जिया उल हक की गोली मारकर हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी भूमिका की फिर से जांच के आदेश दिए हैं। बलीपुर में २ मार्च २०१३ को तीन लोगों की हत्या हुई थी। सीओ जिया उल हक बलीपुर प्रधान नन्हे यादव और उसके भाई सुरेश यादव की हत्या के बाद हुए बवाल पर घटनास्थल पर पहुंचे। कुंडा कोतवाल सर्वेश मिश्रा, एसएसआई विनय उन्हें अकेला छोड़कर भाग निकले, जिसके बाद सीओ की बेरहमी से पिटाई के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना ने देश की सियासत में भूचाल ला दिया था। इस मामले में जियाउल हक की पत्नी परवीन आजाद ने तत्कालीन खाद्य एवं रसद मंत्री रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया समेत अन्य के खिलाफ हत्या की साजिश रचने और हत्या का केस दर्ज कराया था। इसके बाद राजा भैया को अखिलेश सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

हालांकि, क्लीन चिट मिलने के बाद अक्तूबर २०१३ को फिर अखिलेश मंत्रिमंडल में शामिल हो गए थे।

तिहरे हत्याकांड की जांच पहले पुलिस और बाद में सीबीआई द्वारा की गई थी। जांच के बाद रघुराज प्रताप को क्लीन चिट मिल गई थी। इसके खिलाफ परवीन आजाद ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

### एक वारदात, चार एफआईआर

तिहरे हत्याकांड में चार एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। एक एफआईआर प्रधान नन्हे यादव की हत्या की थी। दूसरी एफआईआर पुलिस पर हमले की थी। तीसरी एफआईआर नन्हे यादव के भाई सुरेश यादव के हत्या की और चौथी एफआईआर सीओ जिया उल हक के हत्या की थी। तत्कालीन थानाध्यक्ष मनोज शुक्ला की तरफ से प्रधान नन्हें यादव के भाइयों और बेटों समेत १० लोगों को नामजद किया गया। इसमें राजा भैया के प्रतिनिधि हरिओम शंकर श्रीवास्तव, चेयरमैन गुलशन यादव, राजा भैया के चालक रोहित सिंह और गुड्डू सिंह भी शामिल थे। सीबीआई ने राजा भैया, गुलशन यादव, हरिओम, रोहित, संजय को क्लीन चिट दे दी। राजा भैया को पालीग्राफ टेस्ट से भी गुजरना पड़ा था।

### लाई डिटेक्टर टेस्ट से मिली थी राजा भैया को क्लीन चिट

सीओ जिया उल हक की हत्या के मामले में सीबीआई ने रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल जी से तीन दिन तक गहन पूछताछ की थी। नई दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय की टीम ने सीओ की हत्या में राजा भैया की भूमिका के हर पहलू को खंगाला, लेकिन कोई अहम सुराग हाथ नहीं लग सका।

सीबीआई से परेशान होकर राजा भैया ने खुद सीबीआई कोर्ट से अपना लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने का अनुरोध किया था। कोर्ट की अनुमति मिलने पर सीबीआई ने जुलाई, २०१३ में राजा भैया का टेस्ट कराया था। इसमें भी कोई खास सुबूत नहीं मिलने पर उनको क्लीन चिट दी गई थी। क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने के बाद राजा भैया के खिलाफ मामला बंद कर दिया गया, हालांकि सीओ की पत्नी परवीन आजाद ने अदालत में लड़ाई जारी रखी।

बताते चलें कि कुंडा में सीओ की हत्या की सूचना मिलते ही राजा भैया ने तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिलकर अपना पक्ष रखा था। हालांकि बाद में उन्होंने पार्टी की छवि का हवाला देते हुए मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

उल्लेखनीय है कि इस मामले की जांच सीबीआई के एडिशनल एसपी एसएस गुरुम ने की थी। सीबीआई टीम ने प्रतापगढ़ में कैंप कार्यालय बनाकर राजा भैया के साथ उनके तमाम परिजनों, स्टाफ और करीबियों को बुलाकर पूछताछ की थी। सीओ जिया उल हक और राजा भैया के बीच रिश्तों की पड़ताल और गांव में घटनाक्रम समझने के लिए भेष बदलकर रेकी भी की थी। सीबीआई जांच में सामने आया था कि वलीपुर गांव के प्रधान नन्हे यादव की यादव के बाद मौके पर पहुंचे सीओ की टीम पर ग्रामीणों ने हमला बोल दिया था। इस दौरान सीओ को गोली लग गयी थी।

### ये था पूरा मामला

प्रतापगढ़ के हथिगवां थाना इलाके के गांव बलीपुर में दो मार्च २०१३ को रात करीब सवा आठ बजे दोहरे हत्याकांड की सूचना पर पहुंचे कुंडा क्षेत्र के क्षेत्राधिकारी (डीएसपी) जिया-उल-हक को पहले लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा गया। बाद में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तीन घंटों तक उनकी लाश प्रधान के घर के पीछे खड़ंजे पर पड़ी मिली। जिया-उल-हक की सुरक्षा में लगे गनर इमरान और विनय कुमार जान बचाकर भाग गए थे।

दबंगों ने उन्हें लाठियों से पीटा, जीप से खींचकर जमीन पर घसीटा, फिर गोली मार दी। उन्हें पैरों में दो गोली मारी गई और फिर एक सीने में। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ था। इस हत्याकांड का आरोप समाजवादी पार्टी की सरकार में मंत्री रहे रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और उनके करीबी गुलशन यादव समेत कई लोगों पर लगा था।

यह मामला १० साल बाद भी उनके गले की फांस बना है। अब सुप्रीम कोर्ट ने जिया उल हक हत्याकांड में कुंडा विधायक राजा भैया की भूमिका की जांच का आदेश सीबीआई को दिया है।

## बांट दिए गए थे मनमाने तरीके से लोन

### कंगाली से उबरने में लगा जिला सहकारी बैंक, फंसे हैं 40 करोड़

गोरखपुर। सहकारी बैंक डीजीएम जिला वीरेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि गोरखपुर और महराजगंज में करीब ३५ करोड़ की रिकवरी अभी नहीं हो पाई है। इसके लिए प्रयास किया जा रहा है। कुछ सफलता भी मिली है। मार्च २०२४ तक बैंक की हालत सुधर जाएगी। जिला सहकारी बैंक ने भी खाता और शेयरधारकों को मनमाने तरीके से लोन बांटे दिए। ये लोन करीब १५ वर्ष पूर्व दिए गए थे और रकम ६० करोड़ से ज्यादा की थी। जिसकी रिकवरी नहीं हुई और बैंक कंगाली के हालात पर पहुंच गया। आज भी करीब ३५ करोड़ रुपये की रिकवरी नहीं हो पाई है। इसके लिए बैंक के अफसर पसीना बहा रहे हैं। हालात यह है कि खर्च कम करने के लिए शहर में दो ब्रांच बंद करके मेन ब्रांच में शिफ्ट कर दिए गए हैं, जबकि पुराने खाताधारकों के रुपये फंसे पड़े हैं। एक महीने में दो से चार हजार रुपये ही देने का नियम लागू किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, जिला सहकारी बैंक के गोरखपुर और महराजगंज का मुख्यालय यहां है।

दोनों जिलों में करीब एक लाख से ज्यादा खाता और शेयरधारक हैं। वर्ष २००८ से २०१० तक करीब ६० करोड़ लोन दिए गए। इस रकम की रिकवरी नहीं हो सकी। बैंक घाटे में चला गया और बैंक कर्मियों को वेतन देने के रुपये नहीं बचे। जो रिकवरी होती रही उसी से वेतन दिया गया। साथ ही कुछ रुपये खाताधारकों को भी दिया गया, लेकिन इसके बाद हालात और खराब हो गए।शहर में ट्रांसपोर्टनगर और गोलघर शाखा को बंद करके मेन ब्रांच में शिफ्ट कर दिया गया। इसके बाद से खाताधारकों की ओर से रुपये जमा नहीं किए गए सिर्फ निकासी ही की गई। गोरखपुर और महराजगंज में अभी भी ३५ करोड़ के लोन के फंसे हैं।

### नए शेयरहोल्डर व खाताधारकों में दिए गए 50 करोड़ लोन

जिला सहकारी बैंक ने अब सभी शाखाओं को बेहतर स्थिति में लाने की पहल की है। इसके लिए सहकारी समितियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। नए सदस्य बनाए जा रहे हैं। बैंक ने शेयरहोल्डर व खाताधारकों में दिए गए ५० करोड़ लोन दिए हैं। जिला सहकारी बैंक के डीजीएम वीरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सभी खाताधारकों को अब एटीएम कार्ड मुहैया कराने की तैयारी है।

### तो खाली है बैंक का खजाना... वरना रुपये देने पर नहीं बनाते बहाना

नगर सहकारी बैंक में वित्तीय लेन-देन के चक्कर में खाताधारक और उनके वारिस फंस गए हैं। दरअसल, खाताधारकों व नामिनी को बैंक से उनकी जमा पूंजी की रकम नहीं मिल पा रही है।

सत्रों की माने तो लंबे समय से लोन की रिकवरी न होने के चलते बैंक के पास पर्याप्त धन ही नहीं है। अभी भी चार करोड़ रुपये की रिकवरी होना है। यही कारण है कि खाताधारक अब अपने रुपये की निकासी के लिए परेशान हैं। हालांकि, अब सचिव ने पहल शुरू की है तो बीते दिनों करीब ५० लाख की रकम बैंक में लोन लेने वालों से जमा कराई गई है। बैंक की खस्ता हालत का उदाहरण खाताधारक नरेंद्र प्रताप सिंह हैं। जिन्होंने करीब १५ वर्ष पहले जंगल कौड़िया सहकारी बैंक की शाखा में अपना खाता खुलवाया था। इनके मुताबिक, इनके खाते में ब्याज और मूलधन मिलाकर कुल ६० हजार रुपये के आसपास जमा था। करीब साढ़े पांच वर्ष पहले इन्होंने अपने खाते से २० हजार रुपये निकालने का आवेदन किया। बैंक अधिकारियों ने उनको पांच सौ रुपये देने की बात कहते हुए बताया कि बैंक में पैसे नहीं हैं।

इसके बाद उन्होंने बैंक जाना ही बंद कर दिया। ऐसे कई सारे लोग रोजाना बैंक का चक्कर लगा रहे हैं। बैंक से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर पहले के जिम्मेदारों ने बकाएदारों से वसूली की प्रक्रिया सख्ती से अपनाई होती तो शायद रकम नहीं फंसी होती। राहत की बात यह है कि पिछले दिनों में प्रबंधन की ओर से करीब ५० लाख रुपये एनपीए खातों में जमा करवाए गए हैं।

# गोरखपुर-सोखा रजिस्टर बंद... तांत्रिक फिर करने लगे वारदात

गोरखपुर। एसएसपी डा . गौरव ग्रोवर ने कहा कि तंत्र-मंत्र के आड़ में कुछ वारदातें सामने आई हैं। सोखा-तांत्रिक रजिस्टर पर काम कराया जाएगा। आरोपियों को पुलिस ने जेल भिजवाया है। इसकी नियमित निगरानी भी की जाएगी। १८ अगस्त २०२१ को पिपराइच इलाके के मटिहनिया सोमानी गांव में पांच साल के मासूम गजेंद्र की हत्या कर फेंकी गई लाश मिली थी। आरोपी तांत्रिक संतोष कुमार साहनी को जेल भिजवाया गया था। कुछ दिनों बाद चौरीचौरा में भी एक बच्चे का तंत्र-मंत्र के चक्कर में अपहरण करने का मामला सामने आया। इन दो सनसनीखेज घटनाओं के बाद तत्कालीन एसएसपी ने सोखा रजिस्टर बनाया। जिले में २५७ तांत्रिक भी चिह्नित हुए, लेकिन अब उनकी निगरानी बंद हो गई है। नतीजा यह है कि वारदातें फिर से सामने आने लगी हैं। चौरीचौरा के बैकुंठपुर में बीते २८ मई को महिला तांत्रिक उषा देवी और रिश्तेदार सुनकेशा की हत्या तंत्र-मंत्र के चक्कर में ही हुई थी। दो महीने से ज्यादा की जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने पति गया मौर्या को जेल भिजवाया। इसी तरह २३ सितंबर को गगहा इलाके में घर में तंत्र-मंत्र के बहाने गहने गायब करने का मामला सामने आया है।

जाहिर कि तंत्र-मंत्र की आड़ में वारदातें लगातार हो रही हैं। ऐसे ही बढ़ती घटनाओं पर काबू पाने के लिए सोखा रजिस्टर की अहमियत महसूस की गई थी, लेकिन अब पुलिस इस पर ध्यान नहीं दे रही है। दरअसल, सोखा रजिस्टर में सोखा-तांत्रिक का नाम, उम्र, पिता का नाम, मूल पता, मोबाइल नंबर, वर्तमान पता, गांव के प्रधान, चौकीदार व अन्य नागरिकों का नाम दर्ज करना था। इसके अलावा मूल जीविकोपार्जन का तरीका, अन्य कोई गतिविधि, मूल पते पर पुलिस का सत्यापन, आपराधिक इतिहास की वर्तमान स्थिति, पूर्व में इनकी गतिविधि जो विवाद का कारण बनी हो, लेकिन पुलिस केस ना हुआ हो, जैसी जानकारियां भी जुटानी थीं। लेकिन अब इसकी निगरानी बंद हो गई है और तांत्रिक फिर से वारदात करने लगे हैं।

### जिले में चिह्नित हैं 259 तांत्रिक

अभियान में गगहा थाना क्षेत्र में सबसे ज्यादा ७६ तांत्रिक मिले थे। दूसरे नंबर पर पिपराइच है, जहां २३ तांत्रिक चिह्नित हैं। इसके अलावा राजघाट में छह, तिवारीपुर दो, कैंट में सात, खोराबार में आठ, रामगढ़ताल में चार, गोरखनाथ में तीन, कैंपियरगंज में चार, सहजनवां में १५, पीपीगंज में १८, गीडा में छह, चिलुआताल में सात,

चौरीचौरा में नौ, झंगहा में छह, गुलरिहा में १७, बांसगांव में १४, गोला में १६, बड़हलगंज में दो, खजनी में तीन, सिकरीगंज में छह, हरपुर-बुदहट में सात तांत्रिक चिह्नित हैं।

एसएसपी डा . गौरव ग्रोवर ने कहा कि तंत्र-मंत्र के आड़ में कुछ वारदातें सामने आई हैं। सोखा-तांत्रिक रजिस्टर पर काम कराया जाएगा। आरोपियों को पुलिस ने जेल भिजवाया है। इसकी नियमित निगरानी भी की जाएगी।

### तंत्र-मंत्र के चक्कर में हुईं प्रमुख घटनाएं

१६ अगस्त, २०२१ - पिपराइच के मटिहनिया गांव में गन्ने के खेत में पांच वर्ष के बच्चे का शव मिला। पुलिस ने इस मामले में गांव के तांत्रिक को गिरफ्तार किया था।

०१ सितंबर, २०२१ - पिपराइच क्षेत्र में छह साल के बच्चे का अपहरण कर लिया गया था। वह घर के बरामदे में मां के साथ सोया था। पुलिस ने पांच घंटे में बच्चे को बरामद कर लिया।

जुलाई, २०२१ - तंत्र-मंत्र के चक्कर में झंगहा क्षेत्र में हरिनारायण की हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर घटना का पर्दाफाश किया।

०६अप्रैल, २०२२ - बांसगांव के बहोरवा गांव में बच्चे की हत्या कर दी गई। पुलिस की जांच में सामने आया कि तंत्र-मंत्र के चक्कर में बच्चे की हत्या हुई, घटना का पर्दाफाश अभी तक नहीं हुआ।

२१ अप्रैल, २०२२ - सिकरीगंज क्षेत्र में बच्चे का कटा हुआ सिर मिला। तंत्र-मंत्र के चक्कर में हत्या की आशंका जताई गई। इस घटना का भी पर्दाफाश नहीं हुआ।

२३ सितंबर २०२३- गगहा पुलिस ने घर में तंत्र-मंत्र के बहाने गहने गायब करने के मामले में केस दर्ज किया। केस दर्ज कराने वाली कलावती देवी का आरोप है कि तांत्रिक को लेकर आई बेटी सुशीला, नातिन दीपा भी इस घटना में शामिल हैं। गगहा पुलिस ने तहरीर के आधार पर बेटी सुशीला, नातिन दीपा कुमारी और तांत्रिक लल्लू बाबा पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस जांच कर रही है।

२८ मई २०२३- चौरीचौरा के बैकुंठपुर में महिला तांत्रिक उषा देवी और रिश्तेदार सुनकेशा की हत्या तंत्र-मंत्र के चक्कर में ही हुई थी। दो महीने से ज्यादा की जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने पति गया मौर्या को जेल भेजा। जांच में सामने आया था कि तंत्रमंत्र के चक्कर में पत्नी उषा के पास लोगों का आना-जाना होता था, इस वजह से पति को चरित्र पर संदेह हो गया था। खुद को बचाने के लिए उसने रिश्तेदार सुनकेशा के सिर पर भी हमला कर मौत के घाट उतार दिया था।

२१ अप्रैल २०२२- सिकरीगंज क्षेत्र में शुक्रवार को एक साल के मासूम का कटा सिर मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। उसका धड़ लापता था और उसकी शिनाख्त भी नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी लेकिन पर्दाफाश नहीं हो पाया। जांच में आशंका जाहिर की गई थी कि तंत्रमंत्र में ही उसकी बलि चढ़ाई गई है।

# अंजू ये मैसेज तेरे हैं बस

## लव यू, बाकी आखिरी बार शक्ल देख ले...

लखनऊ। अंजू ये मैसेज तेरे है बस, लव यू, बाकी आखिरी बार शक्ल देख ले कोई दिक्कत ना है। कोई बात नहीं है तेरे बालक ठीक हैं। देख सोनू तो चला, तेरी बहन ने कही थी वो तेरा दूसरा ब्याह कराएगी तो अब दूसरा ब्याह हो जाएगा। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां कवि नगर क्षेत्र के हरसांव गांव में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। युवक ने ससुरालियों और पत्नी पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। इस दौरान उसने एक मिनट ४५ सेकंड का वीडियो भी बनाया। वीडियो में पत्नी के लिए मैसेज छोड़ा है। अंजू ये मैसेज तेरे है बस, लव यू, बाकी आज आखिरी बार शक्ल देख ले कोई दिक्कत ना है। कोई बात नहीं है तेरे बालक ठीक हैं। देख सोनू तो चला, तेरी बहन ने कही थी वो तेरा दूसरा ब्याह कराएगी तो अब दूसरा ब्याह हो जाएगा। चल बाय अपना ध्यान रखियो और कुछ भी मेरे से गलती हुई हो तो माफ कर दियो, बाय, टाटा ये बातें हरसांव गांव के रहने वाले जोगेंद्र उर्फ सोनू ने एक मिनट ४५ सेकंड के एक वीडियो में कहीं। इस वीडियो को बनाने के बाद २३ सितंबर को जोगेंद्र ने फंदा लगाकर जान दे दी। मामले में जोगेंद्र के पिता जयप्रकाश ने कविनगर थाने में जोगेंद्र की पत्नी अंजू, साली आशा और साले मनीष पर उनके बेटे का उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। हरसांव की मढैय्या निवासी जयप्रकाश का कहना है कि जोगेंद्र उर्फ सुक्खन की शादी २०१६ में अहमदगढ़ बुलंदशहर के गांव अतरौली नंगला निवासी अंजू के साथ हुई थी। जोगेंद्र चालक था। आरोप है कि शादी के बाद अंजू, उसका भाई मनीष और साली आशा उसे परेशान करने लगे थे। अंजू छोटी-छोटी बातों पर उनके बेटे से झगड़ा करती थी, जिसके बाद वह अपने भाई व अन्य लोगों को बुलाकर मारपीट करते थी। एक बार अंजू और उसके भाई ने उनके बेटे व उनके परिवार पर आरोप लगाते हुए कविनगर थाने में शिकायत करके अपमानित किया था। एसीपी कविनगर श्रीवास्तव का कहना है कि मामले में आत्महत्या के लिए उकसाने के धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

### साला बहन के नाम जमीन करने का बनाता था दबाव

जयप्रकाश का आरोप है कि मनीष आए दिन उनके बेटे को जमीन अंजू के नाम करने के लिए धमकाता था। बेटे की गृहस्थी बनाए रखने के लिए उन्होंने उसे अलग मकान लेकर भी दे दिया। लेकिन वे इसके बावजूद बाज नहीं आए और उनके बेटे का उत्पीड़न करे रहे।

### 21 सितंबर को झगड़ा करके मायके चली गई थी अंजू

जयप्रकाश का आरोप है कि २१ सितंबर को अंजू ने जोगेंद्र के साथ झगड़ा किया और अभद्रता व गाली-गलौच भी की। इसके बाद अंजू दोनों बच्चों को छोड़कर मायके चली गई। बाद में पता चला कि अंजू को उसका भाई मनीष उसे लेने के लिए घर के बाहर आया था। आरोप है कि २३ सितंबर को अंजू और मनीष ने फोन करके जोगेंद्र से अपमानित तरीके से बात की। मनीष ने जोगेंद्र को मरने के लिए उकसाया और कहा कि वह अंजू की शादी कहीं और कर देंगे। इन्हीं बातों से तंग आकर जोगेंद्र ने फंदा लगाकर जान दे दी।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वैश्विक संभावनाएं

## कुलपति प्रो. आलोक कुमार के नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रतिनिधि मंडल नेपाल पहुंचा

लखनऊ [redacted] शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण और समन्वय की नीति के अंतर्गत पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के शैक्षिक और शोध परितंत्र का अध्ययन करने तथा उनके विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में

- नीति के आदर्शों और मानकों का लाभ देश के शैक्षिक संस्थानों को मिलना प्रारंभ हो चुका है : डॉ. आलोक राय

वृहस्पतिवार को एक प्रतिनिधि मंडल रवाना हुआ।

कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वैश्विक संभावनाएं है, इसे विश्व पटल पर रखने की आवश्यकता है। इसके आदर्शों और मानकों का लाभ देश के शैक्षिक संस्थानों को मिलना प्रारंभ हो चुका है, अब आवश्यकता है इसके आदर्शों और मंतव्य को वर्तमान वैश्विक परिवेश में वैश्विक साझेदारों एवं अन्य पक्षों के साथ संवाद किया जाए। यह प्रतिनिधि मंडल नेपाल में मुख्य रूप से तीन विंदुओं पर अध्ययन करेगा, नेपाल और भारत के बीच व्यापक और सकारात्मक शैक्षिक आदान प्रदान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सदाशय पूर्वक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में चर्चा परिचर्चा में लाना और चुनिंदा उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थाओं के साथ अकादमिक, सांस्कृतिक संवाद और आवश्यकतानुसार समझौता ज्ञापन स्थापित करना। इसके अतिरिक्त प्रतिनिधि मंडल नेपाल के आमजन मानस में शिक्षा के वैश्विक आयामों पर भी अध्ययन, चर्चा एवं चिंतन संवाद करेगा, और कुछ उच्च शिक्षण परिसरों में चर्चा परिचर्चा में भी प्रतिभाग करेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधि मंडल में लखनऊ विवि की डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्र, डायरेक्टर इंटरनेशनल सेल प्रो. आरपी सिंह, डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल अवधेश त्रिपाठी, केया पाण्डेय एवं लखनऊ विवि की वित्त अधिकारी सुश्री हिमानी चौधरी है।

# प्रयागराज में तीन और दिल्ली में एक लड़की से बात करता था सद्दाम, बहन जैनब को लेकर किया चौंकाने वाला खुलासा

प्रयागराज। सद्दाम की कई लड़कियों से दोस्ती थी। वह अक्सर नए नंबरों से प्रयागराज की तीन और दिल्ली की एक लड़की से बात करता था। एसटीएफ ने चारों लड़कियों के नंबरों को सर्विलांस पर लगाया था। कुछ दिन पहले ही उसने दिल्ली वाली दोस्त से बताया था कि वह जल्द ही उससे मिलने आएगा। इसके बाद एसटीएफ ने लड़की के घर के आस पास पूरी घेरेबंदी कर रखी थी। बृहस्पतिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

माफिया अशरफ के साले अब्दुल समद उर्फ सद्दाम को एसटीएफ की बरेली यूनिट ने बुधवार देर रात दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया।

एक लाख रुपये का इनामी सद्दाम मालवीय नगर में सिटी व काम ला के नजदीक डीडीए फ्लैट में अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए पहुंचा था। वह अधिवक्ता उमेश पाल की हत्या के बाद से ही गायब था। दिल्ली से उसे यहां के बिथरी चौनपुर थाने लाकर पूछताछ के बाद बृहस्पतिवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

### जैनब भी प्रयागराज से लेकर दिल्ली तक लगातार बदल रही है ठिकाने

एसटीएफ की पूछताछ में सद्दाम ने बहन जैनब लेकर खुलासा किया कि वह प्रयागराज से दिल्ली तक कई शहरों में लगातार ठिकाने बदल-बदल कर रह रही है। वह मोबाइल का प्रयोग नहीं कर रही है, इस कारण वह वर्तमान लोकेशन नहीं जानता। सद्दाम को उमेश पाल हत्याकांड के पल पल की अपडेट थी। उसने हत्याकांड से कुछ दिन पहले ही बरेली छोड़ दिया था।

वह सबसे पहले मुंबई पहुंचा था। वहां भीड़ भरे बाजार में कई दिन रहा। फिर वह कर्नाटक के अलग अलग शहरों में भी रहा। अक्सर पर दिल्ली आ जाता था।

यहीं उसकी कई बार बहन जैनब से मुलाकात हुई। एक बार तो दिल्ली के म ल में दोनों को ट्रेस किया गया था। सद्दाम न सिर्फ लगातार ठिकाने बदल रहा था बल्कि मोबाइल भी बदल देता था। इसीलिए पुलिस उस तक नहीं पहुंच पा रही थी।

### प्रयागराज में तीन लड़कियों और दिल्ली में एक लड़की से लगातार करता था बात

सद्दाम की कई लड़कियों से दोस्ती थी। वह अक्सर नए नंबरों से प्रयागराज की तीन और दिल्ली की एक लड़की से बात करता था। एसटीएफ ने चारों लड़कियों के नंबरों को सर्विलांस पर लगाया था।

कुछ दिन पहले ही उसने दिल्ली वाली दोस्त से बताया था कि वह जल्द ही उससे मिलने आएगा। इसके बाद एसटीएफ ने लड़की के घर के आस पास पूरी घेरेबंदी कर रखी थी। बृहस्पतिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

### भागकर कई प्रदेशों में छुपा

गिरफ्तारी से बचने के लिए सद्दाम ने दिल्ली, कर्नाटक और मुंबई में ठिकाने बदलकर पनाह ली थी।

पूछताछ में उसने बताया कि अशरफ के बरेली जेल जाने में आने के बाद अशरफ के दोस्त और परिचित जो पैसा देते थे, वह उसके पास रहता था। बरेली में लल्ला गद्दी, नाजिश, सैयद साहब, फुरकान आदि के साथ मिलकर अशरफ के नाम पर विवादित जमीनों में हस्तक्षेप किया जाता था। इससे उन्हें करोड़ों रुपये की आमदनी होती थी।

### गुड्डू बमबाज, अरमान, जैनब और शाइस्ता पर भी कसेगा शिकंजा

बिथरी में दर्ज मुकदमे में वांछित मुख्य आरोपी सद्दाम की ही गिरफ्तारी शेष थी। इनके अलावा प्रयागराज निवासी गुड्डू बमबाज और अरमान के नाम भी बाद में इस मुकदमे में खोले गए थे। इनके बारे में भी पुलिस को अहम जानकारी मिली है।

सद्दाम की गिरफ्तारी के बाद फरार चल रही उसकी बहन जैनब और अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता के बारे में भी पुलिस को अहम सुराग मिलने की बात बताई जा रही है। प्रयागराज पुलिस और एसटीएफ की टीमें बरेली एसटीएफ के संपर्क में हैं। जल्दी ही चारों फरार आरोपियों पर शिकंजा कसा जा सकता है। सद्दाम को रिमांड पर भी लिया जा सकता है।

### विवादित जमीन की सौदेबाजी में लगा था सद्दाम

सद्दाम ने लल्ला गद्दी से दोस्ती कर शहर में विवादित जमीन की सौदेबाजी में लगा था। लल्ला गद्दी ने सद्दाम को प्र पर्टी के काम से जुड़े गुड्डू उर्फ फरहत से मिलवाया था। सद्दाम ने फरहत के खाते में प्रापर्टी खरीदने के लिए रुपये भेजे थे।

मुकदमा दर्ज होने के बाद लेनदेन के सबूत मिलने पर फरहत को जेल भेजा गया था। लल्ला गद्दी ने सद्दाम को फुरकान, नाजिश, सैय्यद साहब आदि लोगों से भी मिलवाया था। ये लोग विवादित जमीन में सद्दाम से अशरफ की अवैध कमाई का रुपया लगवाते थे और खुद कब्जा करते थे। समझौते की बात आती थी तो मोटी रंगदारी लेते थे।

# पिशाच मोचन कुंड

## वाराणसी में इस पेड़ पर सिक्का क्यों चिपकाते हैं लोग, अतृप्त आत्माओं से क्या है संबंध ?

वाराणसी। पिशाचमोचन कुंड पर कर्मकांड के अजीबो गरीब विधान श्रद्धालुओं के लिए आश्चर्य से कम नहीं हैं। पिशाचमोचन कुंड का पीपल पेड़ मान्यता का साक्षी है। पेड़ में ठोंके गए असंख्य सिक्के और कील किसी न किसी अतृप्त आत्मा का ठिकाना है। देश का इकलौता शहर जहां अकाल मृत्यु और अतृप्त आत्माओं की शांति के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध होता है। पीपल के पेड़ पर सिक्का रखकर पितरों का उधार चुकाया जाता है। पिशाचमोचन कुंड के पीपल के पेड़ से भी कई मान्यताएं जुड़ी हैं। ,पूर्णिमा के श्राद्ध के साथ ही २६ सितंबर से पितरों के श्राद्ध का पक्ष आरंभ हो जाएगा। पितृ पक्ष पर तर्पण के लिए आने वालों का सिलसिला शुरू हो चुका है। पिशाचमोचन कुंड पर कर्मकांड के अजीबो गरीब विधान श्रद्धालुओं के लिए आश्चर्य से कम नहीं हैं।

पिशाचमोचन कुंड का पीपल पेड़ मान्यता का साक्षी है। पेड़ में ठोंके गए असंख्य सिक्के और कील किसी न किसी अतृप्त आत्मा का ठिकाना है। पीपल के पेड़ पर मृत व्यक्ति की तस्वीर और उनके किसी न किसी प्रतीक चिह्न को भी लगाया जाता है। अकाल मृत्यु से मरने वालों के लिए पिशाचमोचन पर ही मुक्ति का द्वार खुलता है। यहां देश-विदेश से लोग अपने पितरों का तर्पण करने के लिए आते हैं, ताकि पितर सभी बाधाओं से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त कर सकें और यजमान भी पितृ ऋण से मुक्त हो सकें।

# आर्टिस्ट बेयरफुट का ताल और तरंग का आयोजन कल

- लाइव बैंड प्रदर्शन के साथ ही तन्मय मुखर्जी का होगा कार्यक्रम
- नोएडा में बनी फिल्म सिटी का सीधा फायदा यूपी के कलाकारों को मिल रहा : रूद्रेशराज

लखनऊ [redacted] आर्टिस्ट वेयरफुट 30 सितंवर को 'ताल और तरंग' सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करेगा, जिसमें वायराग वैड, नीरू निगम, मैडटाउन फंक, ऐश्वर्य की सूफी शाम, देवेश वोकल, द ग्रूव अरेना, पर्कशनिस्ट तन्मय और ड्रम सर्कल समेत विभिन्न लाइव वैड प्रदर्शन करेंगे साथ ही कविता के प्रदर्शन होंगे। संस्थापक शैलेंद्र कुमार सिंह और रुद्रेश राज ने वताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य राजधानी और आसपास के विशिष्ट लोगों को आमंत्रित करना है जो संगीत, प्रदर्शन कला और हमारे द्वारा प्रदर्शित कार्यक्रमों को और वड़ा मंच प्रदान कर सकें। द आर्टिस्ट वेयरफुट द्वारा प्रदेश की नई प्रतिभाओं को मंच देने और उन्हें संभालने का भी काम करेगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और रायवरेली की विधायक अदिति सिंह और एमएलसी पवन सिंह चौहान होंगे। रूद्रेश राज ने वताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा को जो फिल्म सिटी वनाया उसका सीधा फायदा यूपी के कलाकारों को मिल रहा है, यहां की फिल्मों, गाने, रील, सिंगल, ओटीटी फिल्म, प्रमोशन और फिल्म प्रोडक्शन केकाम में यूपी के लोगों को मौका मिल रहा है। इस अवसर पर प्रसिद्ध तालवादक तन्मय मुखर्जी द्वारा एक विशेष ताल प्रदर्शन भी आयोजित कर रहे है।

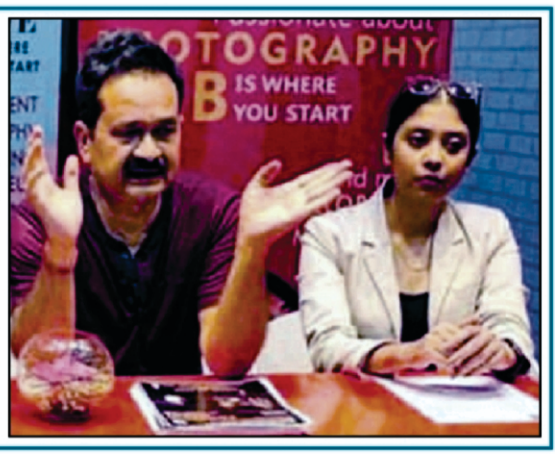

# संभल नहीं रहा मणिपुर

## इंफाल में हिंसक प्रदर्शन जारी, डीसी कार्यालय में तोड़फोड़, वाहन फूंके

■ इंफाल (भाषा)। मणिपुर में दो छात्रों की मौत को लेकर वृहस्पतिवार सुवह भी हिंसक प्रदर्शन जारी रहा और इंफाल वेस्ट में एक उग्र भीड़ ने उपायुक्त (डीसी) कार्यालय में तोड़फोड़ की और दो वाहनों में आग लगा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

राज्य की राजधानी में छात्रों की अगुवाई में यह हिंसा मंगलवार को तव शुरू हुई जव जुलाई में लापता हुए एक लड़के और लड़की के शवों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई। अधिकारियों ने वताया कि गत रात उरीपोक, यैसकुल, सगोलवंद और टेरा इलाकों में प्रदर्शनकारियों की सुरक्षावलों से झड़प हुई जिसके कारण सुरक्षा वल को स्थिति पर कावू पाने के लिए आंसू गैस के कई गोले छोड़ने पड़े। उन्होंने वताया कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षावलों को रिहायशी इलाकों में प्रवेश करने से रोकने के लिए टायर जलाकर सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने वताया कि भीड़ ने उपायुक्त कार्यालय में तोड़फोड़ की और दो, चार पहिया वाहनों को फूंक दिया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस वल (सीआरपीएफ) के जवानों ने स्थिति को कावू में किया।

■ लापता लड़के और लड़की के शवों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भड़की हिंसा

इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों में सुरक्षावलों के हिंसक प्रदर्शनों से निपटने के वीच कर्फ्यू फिर से लगा दिया गया है। इन प्रदर्शनों में मंगलवार से लेकर अव तक 65 प्रदर्शनकारी घायल हो गए हैं। इस वीच, पुलिस ने वताया कि थौवल जिले के खोंगजाम में भाजपा के कार्यालय में आग लगा दी गयी। मणिपुर पुलिस ने एक वयान में कहा कि भीड़ ने एक पुलिस वाहन को निशाना वनाया तथा उसमें आग लगा दी जवकि एक पुलिसकर्मी से मारपीट की और हथियार छीन लिया। उसने कहा कि ऐसे अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। छीने गए हथियारों को वरामद करने और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तलाश अभियान चलाया गया है।

मणिपुर के वाल अधिकार संरक्षण आयोग ने सुरक्षावलों से किशोरों पर 'मनमाने ढंग से' लाठीचार्ज न करने, आंसू गैस के गोले न छोड़ने और रवड़ की गोलियां न चलाने का अनुरोध किया है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में जनजातीय एकजुटता मार्च के वाद तीन मई को राज्य में जातीय हिंसा भड़क गई थी। हिंसा की घटनाओं में अव तक 180 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। मणिपुर की आवादी में मेइती समुदाय के लोगों की आवादी लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी आदिवासियों की आवादी करीव 40 प्रतिशत है और वे ज्यादातर पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

■ सीएम के पैतृक आवास पर भीड़ ने हमला करने की कोशिश की
■ पुलिस के अतिरिक्त बल प्रयोग की जांच के लिए समिति गठित
■ जाने-माने मणिपुरी अभिनेता राजकुमार सोमेंद्र ने भाजपा छोड़ी

## घर संभालने पहुंचे श्रीनगर के SSP

■ नई दिल्ली (भाषा)। आतंकवाद संवंधी मामलों से निपटने में विशेषज्ञता हासिल करने वाले श्रीनगर के एसएसपी राकेश वलवाल को 'समय से पूर्व' उनके मूल मणिपुर काडर में भेज दिया गया है जहां फिर से भड़की हिंसा ने पहले से खराव हालात को और तनावपूर्ण वना दिया है। आईपीएस के 2012 वैच के अधिकारी वलवाल को मणिपुर में कार्यभार संभालने पर नया पद दिया जाएगा। मणिपुर में इस साल मई से वहुसंख्यक मेइती और आदिवासी कुकी समुदायों के वीच संघर्ष चल रहा है। वलवाल को दिसंवर 2021 में अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) काडर में भेजा गया था।

## 14 अक्तूबर को होगी पितरों की विदाई

लखनऊ। पितरों के प्रति आस्था, श्रद्धा और अनुष्ठान के पक्ष की शुरुआत २६ सितंबर से हो रही है। एक पखवारे तक चलने वाले श्राद्ध व अनुष्ठान की समाप्ति १४ अक्तूबर को पितरों को विदाई देकर होगी। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल व धीरेंद्र पांडेय कहते हैं कि श्राद्ध करने से पितर खुश होते हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है। हर बार एक सवाल उठता है कि महिलाएं श्राद्ध व पिंडदान कर सकती हैं या नहीं। ऐसे में बता दें कि शास्त्र और आचार्य स्पष्ट रूप से कहते हैं कि महिलाएं भी श्राद्धकर्म, तर्पण कर सकती हैं। वैदिक ज्योतिष शोध परिषद के अध्यक्ष ज्योतिष महामहोपाध्याय डा . आदित्य पांडेय के अनुसार, गरुण पुराण के मुताबिक यदि पति, पिता या कुल में कोई पुरुष सदस्य नहीं होने या उसके होने पर भी यदि वह श्राद्ध कर्म कर पाने की स्थिति में नहीं हो तो घर की महिला श्राद्ध कर सकती हैं। यदि घर में कोई वृद्ध महिला है तो युवा महिला से पहले श्राद्ध कर्म करने का अधिकार उसका होगा।

### वाल्मिकी रामायण में सीता द्वारा पिंडदान का संदर्भ

डा . आदित्य पांडेय कहते हैं कि वाल्मिकी रामायण में सीता माता द्वारा पिंडदान देकर राजा दशरथ की आत्मा को मोक्ष मिलने का संदर्भ आता है। वनवास के दौरान भगवान राम, सीता माता और लक्ष्मण पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध करने के लिए गया धाम पहुंचे थे। वहां श्राद्ध कर्म के लिए आवश्यक सामग्री जुटाने हेतु राम और लक्ष्मण नगर की ओर चल दिए थे। सामग्री इकट्ठा करते-करते दोपहर हो गई थी। पिंडदान का निश्चित समय निकलता जा रहा था और सीता जी की व्यग्रता बढ़ती जा रही थी। तभी राजा दशरथ की आत्मा ने पिंडदान की मांग की। गया जी के आगे फल्गू नदी पर अकेली माता सीता असमंजस में पड़ गईं।

# वृद्धाश्रमों में सुविधा-संसाधन बढ़ाने को डॉ. राजेश्वर ने सीएम को लिखा पत्र

लखनऊ [redacted] सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने वृद्धजनों की सेवा के अपने संकल्प को पूर्ण करने के क्रम में चार अगस्त 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने वृद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं से संवंधित कई पहलुओं का उल्लेख किया गया था जिस पर उन्हें शासन की ओर से सकारात्मक आश्वसन प्राप्त हुआ है। इसके लिए विधायक ने सीएम योगी के प्रति आभार व्यक्त किया।

■ सकारात्मक आश्वासन मिलने पर सीएम योगी का जताया आभार
■ डॉ. राजेश्वर सिंह के सतत प्रयासों से वृद्धजनों को मिलेंगी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं, तीर्थयात्रा का सौभाग्य व जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

डॉ. राजेश्वर सिंह ने पेंशन लाभ की सुविधा के लिए नियमों को शिथिल किए जाने का सुझाव दिया था जिस पर शासन की ओर से प्रदेश के जनपदों के वृद्धाश्रमों में रहने वाले वृद्धजनों, जिन्हें विभिन्न पेंशन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पार रहा है, उनका आधार कार्ड एवं आय प्रमाण पत्र वनवाकर उनकी पात्रता का परीक्षण कर पेंशन दिलाने के लिए सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए है।

सरोजनीनगर विधायक ने वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड के लिए मोवाइल ओटीपी की समस्या, रेटिना स्कैनिंग, लेवर कार्ड, राशन कार्ड आदि की अनिवार्यता से राहत दिलाने की भी वात लिखी थी जिस पर शासन की ओर से जिन वृद्धों के कार्ड नहीं वना है, उनके कार्ड वनवाकर उन्हें इस योजना से जोड़ने के निर्देश निर्गत किए गए है। इसी तरह जिनका वोटर आईडी कार्ड नहीं वना है, उसे वनवाने का भी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है।

पत्र के माध्यम से डॉ. राजेश्वर सिंह ने वृद्धजनों की स्वास्थ्य सेवाओं का ध्यान रखते हुए उन्होंने प्रत्येक वृद्धाश्रम पर एंवुलेंस की सुविधा, तिमाही हेल्थ चेकअप, निशुल्क दवाएं, डेंटल एवं ऑर्थोपिडिक जांच आदि को अति महत्वपूर्ण वताया तथा चिकित्सा भत्ता वढ़ाने का आग्रह किया था। डॉ. राजेश्वर सिंह समय-समय पर वृद्धाश्रम जाकर वहां रहने वाले वृद्धजनों के साथ वक्त वितातें है। तीज त्योहारों पर उनसे मिलना और मिठाई व उपहार देना नही भूलते है। विधायक द्वारा सरोजनीनगर में 'रामरथ अयोध्या श्रवण यात्रा' के माध्यम से वृद्धजनों को निरंतर तीर्थयात्रा कराई जा रही है। इसके अलावा वृद्धों के लिए कैंप लगाकर उनके कार्ड वनवाए जाते है। सरोजनीनगर में वृद्धों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य कैंप भी लगवाए जाते हैं। किसी भी वृद्ध को इलाज की आवश्यकता होती है तो विधायक उनके इलाज के लिए हर व्यवस्था करते है।

# क्या है वो कंट्रोवर्सी? जिसके बाद ब्रिटिश पीएम की पत्नी अक्षता को बंद करनी पड़ी कंपनी

दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति ने कैटामरान वेंचर्स यूके नामक अपने विवादास्पद स्टार्ट-अप को बंद करने का फैसला कि या है. कंपनी की तरफ से हालिया फाइलिग में इस बारे में जानकारी दी गई. लंदन में स्थित कैटामरान वेंचर्स यूके की शुरुआत साल २०१३ में अक्षता मूर्ति और उनके पति ऋषि सुनक ने की थी. यह करदाता-वित्त पोषित योजनाओं के साथ जुड़ाव के कारण जांच का विषय रहा है. आईटी कंपनी इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के दामाद ऋषि सुनक ने राजनीति कदम रखने से पहले २०१५ में इस कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था.अक्षता कैटामरान कंपनी में एकमात्र डायरेक्टर हैं. उन्होंने ही इस कंपनी को बंद करने का फैसला किया है. कैटामरन वेंचर्स यूके में अक्षता ने अपने पिता के आईटी कारोबार (इंफोसिस) की हिस्सेदारी से मि ले पैसे नि वेश किया. कंपनी के हालिया खातों से पता चलता है कि उसका निवेश का मूल्य ४.६ मिलियन डालर था, जो २०२१ में ४.२ मिलियन डालर से ज्यादा था. हालांकि, उन्होंने यह भी जानकारी दी कि उस पर अक्षता मूर्ति का ५.५ मिलियन डालर बकाया है.

## राज कपूर ने रिलीज से पहले बदला `बाबी' का क्लाइमेक्स, मुकेश लेकर आए लक्ष्मी-प्यारे की जोड़ी

# 50 साल बेमिसाल

अपनी पहली हिंदी फिल्म 'सपनों का सौदागर' के हीरो राज कपूर का कहना ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने कभी नहीं टाला। राज कपूर की मल्टीस्टारर फिल्म 'मेरा नाम जोकर' जब फ्लाप हुई तो उन्होंने बिल्कुल नए चेहरों के साथ एक कम बजट की फिल्म 'बाबी' बनाने का फैसला किया। घर के लड़के चिंटू को हीरो बनाया और एक नई लड़की डिंपल की हीरोइन। फिल्म के मुहूर्त पर पहुंची हेमा मालिनी को अब भी याद है कि कैसे एक चुलबुली सी किशोरी उन्हें फ्राक पहने फिल्म के मुहूर्त पर फुदकती दिखी थी।

जब उन्हें बताया गया कि यही फिल्म की हीरोइन है तो वह बहुत खुश हुईं। कम लोगों को ही पता होगा कि हिंदी फिल्म जगत में हेमा मालिनी की सबसे करीबी दोस्त आज भी डिंपल ही हैं। इन्हीं डिंपल की पहली फिल्म 'बाबी' की रिलीज को ५० साल पूरे हो रहे हैं। डिंपल ने फोन करने पर फिल्म के स्वर्ण जयंती वर्ष की बधाई तो ली लेकिन फिल्म के बारे में बात करने ये कहते हुए इंकार कर दिया कि वह अब इंटरव्यू नहीं देती हैं।

### एंग्री यंगमैन के दौर की मोहब्बत

फिल्म 'बाबी' २८ सितंबर १९७३ को रिलीज हुई। ये वो दौर था जब सलीम जावेद ने अमिताभ बच्चन के कंधे पर बंदूक रखकर अपने पुराने अजीज राजेश खन्ना के रूमानी शामियाने में फिल्म 'जंजीर' से छेद कर दिया था, लेकिन उसी साल रिलीज हुई फिल्म 'बाबी' फिर से माहौल में रूमानियत का नया इंद्रधनुष ले आई। फिल्म 'ब बी' की सफलता में इसके गानों का सबसे बड़ा हाथ रहा। और, फिल्म में ऋषि कपूर की आवाज बनकर लान्च हुआ एक नया पार्श्वगायक शैलेंद्र सिंह। पुणे फिल्म इंस्टीट्यूट में एक्टिंग की पढ़ाई करते करते वह फिल्म 'बाबी' में ऋषि कपूर की आवाज कैसे बन गए? ये पूछो तो वह खुद भी हैरान होते हैं। शैलेंद्र सिंह फिल्म 'बाबी' को याद करके चहकते नहीं है। उल्टे उनके चेहरे पर टीस उभर आती है। ये दर्द है उन घावों का, जो हिंदी सिनेमा की खेमेबाजी ने उन्हें दिए हैं। ये तो सब जानते ही है कि फिल्म 'बाबी' में पहले राज कपूर के पसंदीदा संगीत निर्देशक शंकर-जयकिशन संगीत देने वाले थे। शैलेंद्र सिंह की बात करने से पहले एक किस्सा लक्ष्मीकांत प्यारेलाल का।

### राज कपूर का संदेश लाए मुकेश

दरअसल, फिल्म मेरा नाम जोकर फ्लाप होने के बाद राज कपूर संगीतकार शंकर-जयकिशन के साथ काम नहीं करना चाह रहे थे। उन्होंने उन दिनों के सुपरहिट गायक मुकेश को संगीतकार लक्ष्मीकांत के पास भेजा और फिल्म बाबी में संगीत देने की पेशकश की। लक्ष्मीकांत की पत्नी जया कुडालकर बताती हैं, उन दिनों मुकेश जी राज कपूर साहब के कहने पर फिल्म बाबी में संगीत देने की बात लक्ष्मीजी से करने आए। इत्तेफाक से उस समय प्यारेलाल जी थे नहीं तो लक्ष्मीजी ने फौरन हां नहीं कहा। वह बोले कि सोचकर बताते हैं। बाद में लक्ष्मी जी ने इस विषय में प्यारेलाल जी से बात की और यह तय हुआ कि राज कपूर की फिल्म बाबी में संगीत नहीं देंगे। वजह थी कि दोनों शंकर-जयकिशन का सम्मान बहुत करते थे। तब मुकेश ने ही दोनों को समझाया, 'आप लोग नहीं करेंगे तो कोई और करेगा, इसलिए मैं चाहता हूं कि आप लोग ही करें।

# ये मैंने क्या देख लिया

## रणबीर के एनिमल के टीजर ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

रणबीर कपूर के 41वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने एनिमल का टीजर रिलीज करके फैंस को तोहफा दिया। संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म में रणबीर कपूर के अलावा अनिल कपूर और बाबी देओल भी नजर आने वाले हैं। रणबीर कपूर की एनिमल के टीजर ने आते ही YOUTUBE के साथ-साथ सोशल मीडिया पर धमाका कर दिया है।

नई दिल्ली। रणबीर कपूर एक बार फिर से फिल्मी परदे पर अपना जादू चलाने की पक्की तैयारी कर चुके हैं। उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म एनिमल का टीजर फाइनली मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। इस फिल्म में सांवरिया एक्टर रणबीर कपूर के साथ पहली बार साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की जोड़ी फैंस को देखने को मिलेगी। अर्जुन रेड्डी और कबीर सिंह जैसी ब्लाकबस्टर फिल्मों के बेताज बादशाह संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म में रणबीर कपूर का मासूम लड़के से लेकर गैंगस्टर बनने तक का सफर दिखाया है। एनिमल के टीजर को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कैसी प्रतिकिया दी, यहां पर पढ़ें ट्विटर रिव्यू।

### रणबीर के एनिमल के टीजर को देख लोगों ने कही ये बात

रणबीर कपूर की आगामी फिल्म एनिमल के टीजर के रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर भी यूजर्स एक्टिव हो गए। इस टीजर पर फैंस अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया जाहिर कर रहे हैं। खास बात ये है कि रणबीर कपूर को बिल्कुल अलग अवतार में देखकर फैंस के चेहरों पर बड़ी सी मुस्कान आ गयी है। एक यूजर ने रणबीर को बाक्स आफिस क । डार्क हार्स कहकर संबोधित किया। यूजर ने लिखा, ये क्या था जो मैंने अभी-अभी देखा। एनिमल के टीजर ने धमाका कर दिया।

## ३४वां जन्मदिन मना रही हैं एक्ट्रेस मौनी राय दोस्त दिशा पाटनी ने ऐसे किया विश बेस्ट फ्रेंड के लिए लिखा खास मैसेज

छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड तक अपना जलवा दिखाने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आज अपना ३४वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास दिन पर उन्हें उनकी बेस्ट फ्रेंड दिशा पाटनी ने भी विश किया है। दिशा ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरों के साथ वीडियो शेयर की है। वहीं एक्ट्रेस के लिए खास मैसेज भी लिखा है।

नई दिल्ली। एक्ट्रेस मौनी राय आज अपना ३८वां जन्मदिन मना रही हैं। उनके इस खास दिन पर उन्हें फैंस से लेकर उनके दोस्त तक बर्थडे विश करते हुए नजर आ रहे हैं। बालीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने भी अपनी बेस्ट फ्रेंड को खास अंदाज में विश किया है। दिशा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए मौनी के लिए खास मैसेज लिखा है। बता दें कि दिशा पाटनी और मौनी राय बी-टाउन में अक्सर बेस्ट फ्रेंड गोल सेट करते हुए दिखाई दे जाती हैं। दोनों को अक्सर डिनर पर, छुट्टियां मनाते हुए साथ देखा जाता है। हाल ही में, मौनी ने दिशा और सोनम बाजवा के साथ मिलकर अपना प्री बर्थडे सेलिब्रेट किया था।

### दिशा ने लिखा बेस्ट फ्रेंड के लिए खास मैसेज

बालीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने अपने सोशल मीडिया पर मौनी राय के साथ कई तस्वीरें और वीडियो शेयर की हैं। इन तस्वीरों में मौनी राय और दिशा की खास बान्डिंग देखी जा सकती है। कुछ तस्वीरें दोनों के साथ में वेकेशन की हैं, तो कुछ में दोनों पार्टी करते हुए दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों और वीडियो के साथ दिशा ने कैप्शन में लिखा मेरी मोन्ज, आप बहुत खास हैं और आपने इस साल सच में मेरी लाइफ को अमेजिंग तरीके से बदल दिया है। मेरी सभी अच्छी यादें आपके साथ हैं। दिल से सबसे खूबसूरत महिला को जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। आप जहां भी जाएं, अपना प्यार और प जिटिव वाइब फैलाती रहें। आई लव यू।

### सेलिब्रे ट किया था प्री बर्थडे

कुछ दिनों पहले मौनी राय ने दोस्त दिशा पाटनी और पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा के साथ अपना प्री बर्थडे मनाया था। इस प्री बर्थडे की एक झलक एक्ट्रेस ने अपने फैंस के साथ भी शेयर की थी। तस्वीरों और वीडियो में देखा गया था कि मौनी दोनों के साथ केक काटते हुए और पार्टी एंजाय करते हुए दिखाई दे रही हैं।

### जल्द करेंगी ओटीटी डेब्यू

मौनी राय जल्द ही फिल्म सुल्तान आफ दिल्ली से ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। कुछ दिनों पहले ही इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। वहीं, इससे पहले एक्ट्रेस अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट वन शिवा में दिखाई दी थीं।

तुमने मेरी जिंदगी बदल दी

# मौनी राय

# अरुण जेटली स्टेडियम में पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष के नाम स्टैंड बनाने पर मची रार

नई दिल्ली राजधानी के अरुण जेटली स्टेडियम में पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सीके खन्ना के नाम का स्टैंड बनाने को लेकर रार मची हुई है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ की शीर्ष परिषद की बैठक में बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष और डीडीसीए के उपाध्यक्ष रहे सीके खन्ना के नाम का स्टैंड बनाने का प्रस्ताव रखा गया। लेकिन राजन मनचंदा और निदेशक अशोक शर्मा ने उसके विरुद्ध मोर्चा ही खोल दिया।

अरुण जेटली स्टेडियम में पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष के नाम स्टैंड बनाने पर मची रार

डीडीसीए में शीर्ष परिषद की बैठक में खूब हुई तू-तू मैं-मैं

नई दिल्ली। नई दिल्ली राजधानी के अरुण जेटली स्टेडियम में पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सीके खन्ना के नाम का स्टैंड बनाने को लेकर रार मची हुई है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) की शीर्ष परिषद की बैठक में बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष और डीडीसीए के उपाध्यक्ष रहे सीके खन्ना के नाम का स्टैंड बनाने का प्रस्ताव रखा गया। लेकिन वर्तमान संयुक्त सचिव राजन मनचंदा और निदेशक अशोक शर्मा ने उसके विरुद्ध मोर्चा ही खोल दिया। बैठक में भाग लेने वाले एक निदेशक ने कहा कि निदेशक प्रदीप अग्रवाल को छोड़कर उस बैठक में शीर्ष परिषद के सभी सदस्य थे। कुछ लोग डीडीसीए परिसर में मौजूद थे तो कुछ आनलाइन जुड़े थे। इसमें जब प्रस्ताव रखा गया तो मनचंदा ने कहा कि यहां स्टैंड सिर्फ क्रिकेटर का होना चाहिए। किसी पूर्व पदाधिकारी का स्टैंड नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो फिर डीडीसीए के पूर्व पदाधिकारियों सुनील देव व स्नेह बंसल के नाम पर स्टैंड बनना चाहिए।

वहीं एक और निदेशक श्याम शर्मा ने कहा कि वीरेंद्र सहवाग के नाम पर सिर्फ गेट है। उनका Arun Jaitley Stadium में स्टैंड बनना चाहिए। अगर स्टैंड बनना हैतो भारत के लिए खेल चुके दिल्ली के खिलाड़ी इशांत शर्मा, शिखर धवन, आशीष नेहरा और रिषभ पंत के नाम पर बने। वहीं एक और निदेशक अशोक शर्मा उर्फ मामा तो विरोध में कुछ ज्यादा ही बोल गए। पूर्व क्रिकेटर और डीडीसीए के पूर्व उपाध्यक्ष चेतन चौहान की मृत्यु को दो साल बीत चुके हैं लेकिन अब तक उनके नाम का स्टैंड नहीं बना। पहले चेतन के नाम का स्टैंड बनेगा।

अगर सीके के नाम का स्टैंड बनवाना है तो दो साल का इंतजार करना पड़ेगा। इससे सीके खन्ना की पत्नी और डीडीसीए की उपाध्यक्ष शशि खन्ना भड़क गईं और उन्होंने अशोक शर्मा को आड़े हाथ लिया। उन्होंने पूछा कि आखिर आप कहना क्या चाहते हैं। खन्ना गुट के निदेशक मंजीत सिंह ने स्टैंड बनाए जाने का पक्ष लिया। डीडीसीए के एक पूर्व पदाधिकारी ने कहा कि ऐसा कहा जा रहा है अध्यक्ष रोहन जेटली स्टैंड के पक्ष में हैं लेकिन सवाल यही है अगर वह पक्ष में हैं तो उन्होंने वीटो क्यों नहीं दिया। क्यों कमेटी बनाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

# पाकिस्तान से कभी नहीं हारा भारत

## चार देशों के खिलाफ रिकार्ड खराब, नौ टीमों के खिलाफ ऐसा है प्रदर्शन

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर है और अपनी मेजबानी में विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदार भी है। हालांकि, उसे ट्राफी उठाने से पहले कई टीमों की चुनौतियों को पार करना होगा। भारत में होने वाले विश्व कप के शुरू होने में अब सिर्फ सात दिन बाकी हैं। पांच अक्तूबर और १६ नवंबर तक होने वाले क्रिकेट के इस महाकुंभ में १० टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के मैच १० मैदानों पर आयोजित होंगे। भारतीय टीम वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर है और अपनी मेजबानी में विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदार भी है। हालांकि, उसे ट्र फी उठाने से पहले कई टीमों की चुनौतियों को पार करना होगा।

टूर्नामेंट में भाग ले रही टीमों के खिलाफ भारत के प्रदर्शन की बात करें तो पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ रिक र्ड १०० फीसदी है। इन तीन देशों के खिलाफ टीम इंडिया विश्व कप इतिहास में अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। हम आपको टूर्नामेंट शुरू होने से पहले यहां सभी नौ टीमों के खिलाफ विश्व कप में भारत के प्रदर्शन के बारे में बता रहे हैं...

आस्ट्रेलिया।

भारत को आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप में अब तक सिर्फ चार मैचों में जीत मिली है। वहीं, आठ बार हार का सामना करना पड़ा है। चार जीत की बात करें तो १९८३, १९८७, २०११ और २०१९ में भारत ने पांच बार की चौंपियन टीम को हराया है।

दोनों के बीच २००३ विश्व कप का फाइनल और २०१५ विश्व कप का सेमीफाइनल भी खेला गया था। दोनों मैचों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। भारत को विश्व कप में आस्ट्रेलिया पर सबसे यादगार जीत २०११ में मिली थी। तब टीम ने क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल की थी और फिर श्रीलंका को हराकर विश्व कप जीत लिया था।

**इस बार मैच की तारीख और जगह- आठ अक्तूबर (चेन्नई)।**

भारत विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक सिर्फ एक मैच खेला है। २०१९ में इंग्लैंड में आयोजित हुए टूर्नामेंट में उसने अफगान टीम को ११ रन से हराया था। इस मैच में टीम इंडिया पर हार का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन शमी ने अपनी गेंदबाजी से मैच पलट दिया था।

**इस बार मैच की तारीख और जगह- ११ अक्तूबर (नई दिल्ली)।**

पाकिस्तान

पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप में भारत की जीत का रिक र्ड शानदार है। वह अब तक अपने पड़ोसी देश के खिलाफ नहीं हारा है। उसने सात में सात मैच जीते हैं। भारत ने पाकिस्तान को १९९२, १९९६, १९९९, २००३, २०११, २०१५ और २०१९ में हराया है।

**इस बार मैच की तारीख और जगह- १४ अक्तूबर (अहमदाबाद)।**

**बांग्लादेश**

भारत और बांग्लादेश के बीच विश्व कप में अब तक चार मैच खेले गए हैं। टीम इंडिया ने तीन अपने नाम किए हैं। वहीं, एक मैच में बांग्लादेश जीता है। २००७ विश्व कप में भारत को हराकर बांग्लादेशी टीम ने सनसनी मचा दी थी। इस हार का असर ऐसा था कि टीम इंडिया टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। उसके बाद भारत ने लगातार तीन बार (२०११, २०१५, २०१९) बांग्लादेश को इस टूर्नामेंट में हराया।

**इस बार मैच की तारीख और जगह- १९ अक्तूबर (पुणे)।**

**न्यूजीलैंड**

न्यूजीलैंड एक ऐसी टीम है जिसने इस टूर्नामेंट के इतिहास में भारत को काफी परेशान किया है। दोनों के बीच नौ मैच खेले गए हैं और टीम इंडिया सिर्फ तीन जीत पाई है। पांच में उसे हार का सामना करना पड़ा। एक मैच रद्द हुआ है। भारत इस टीम के खिलाफ पिछली बार २००३ में जीता था। उसे दो अन्य जीत १९८७ में मिली थी। १९७५, १९७९, १९९२, १९९९ और २०१९ में हार का सामना करना पड़ा। २०१९ में एक मैच रद्द हुआ था और सेमीफाइनल में कीवी टीम ने भारत को हराकर बाहर कर दिया था।

**इस बार मैच की तारीख और जगह- २२ अक्तूबर (धर्मशाला)।**

**इंग्लैंड**

भारत का प्रदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप इतिहास में कुछ खास नहीं रहा है। उसे आठ में से सिर्फ तीन मैचों में जीत हासिल हुई है। चार में शिकस्त मिली। एक मैच टाई रहा। १९८३, १९९९ और २००३ संस्करण में टीम इंडिया इंग्लैंड को हराने में सफल हुई थी। पिछले २० साल से विश्व कप में भारत को इंग्लैंड के खिलाफ जीत नहीं मिली है। २०११ में दोनों के बीच मुकाबला टाई हुआ था। वहीं, २०१९ में भारत हार गया था। २००७ और २०१५ में दोनों टीमें आमने-सामने नहीं हुई थीं।

**इस बार मैच की तारीख और जगह- २९ अक्तूबर (लखनऊ)।**

**श्रीलंका**

श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप में भारत का रिक र्ड बराबरी वाला रहा है। दोनों टीमें नौ बार आमने-सामने हुई हैं। इस दौरान चार मैच भारत और चार श्रीलंका ने जीते। एक मुकाबला बेनतीजा रहा। भारत ने १९९९, २००३, २०११ और २०१९ में लंकाई टीम को हराया।

वहीं, १९७९, १९९६ (दो मैच) और २००७ में हार का सामना करना पड़ा। इनमें से दो हार भूलने वाले हैं। १९९६ विश्व कप के सेमीफाइनल में मैच पूरा नहीं हुआ था। भारतीय दर्शकों ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में टीम इंडिया को हारता देख उत्पात मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद श्रीलंका को विजेता घोषित कर दिया। वहीं, २००७ विश्व कप के ग्रुप दौर में लंकाई टीम के खिलाफ मिली हार के बाद राहुल द्रविड़ की कप्तानी वाली टीम विश्व कप से बाहर हो गई थी। हालांकि, भारत ने दोनों हार का बदला एक साल २०११ के फाइनल में लिया। उसने लंकाई टीम को हराकर विश्व कप पर कब्जा कर लिया।

**इस बार मैच की तारीख और जगह- दो नवंबर (मुंबई)।**

**दक्षिण अफ्रीका**

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच १९९२ से २०१९ विश्व कप के बीच पांच मैच खेले गए हैं। टीम इंडिया को इस दौरान सिर्फ दो जीत मिली है। अफ्रीकी टीम ने तीन मुकाबलों को अपने नाम किया है। १९९२, १९९९, २०११ में हारने के बाद टीम इंडिया ने पिछले दो विश्व कप २०१५ और २०१९ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत हासिल की है।

**इस बार मैच की तारीख और जगह- पांच नवंबर (कोलकाता)।**

**नीदरलैंड**

नीदरलैंड के खिलाफ विश्व कप में भारत अब तक नहीं हारा है। २००३ और २०११ में दोनों के बीच दो मैच हुए थे। टीम इंडिया ने दोनों मुकाबलों में आसानी से जीत हासिल की थी।

# सात वर्षों बाद भारत पहुंची पाकिस्तानी क्रिकेट टीम

## 6 अक्टूबर को नीदरलैंड्स से होगी पहली भिड़ंत

**पाकिस्तान क्रिकेट टीम बुधवार को यहां सात वर्ष में पहली बार भारत के दौरे पर पहुंची जहां उसे पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले वनडे विश्व कप में हिस्सा लेना है। बाबर आजम की अगुआई वाली टीम दुबई से यहां पहुंची और टीम हैदराबाद में बहुत समय बिताएगी। टीम बुधवार को तड़के लाहौर से रवाना हुई थी और रात को यहां पहुंची।**

नई दिल्ली, स्पोर्ट्स डेस्क। पाकिस्तान क्रिकेट टीम बुधवार को यहां सात वर्ष में पहली बार भारत के दौरे पर पहुंची जहां उसे पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले वनडे विश्व कप में हिस्सा लेना है। बाबर आजम की अगुआई वाली टीम दुबई से यहां पहुंची और टीम हैदराबाद में बहुत समय बिताएगी। टीम बुधवार को तड़के लाहौर से रवाना हुई थी और रात को यहां पहुंची। पाकिस्तान विश्व कप में नीदरलैंड्स के विरुद्ध अपना अभियान शुरू करने से पहले २९ सितंबर को न्यूजीलैंड और तीन अक्टूबर को आस्ट्रेलिया के विरुद्ध अभ्यास मैच खेलेगी।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः— 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।